लोक सुनवाई का विवरण

विषय :– ई.आई.ए. अधिसूचना 2006 (यथा संशोधित) के प्रावधानों के अनुसार मेसर्स अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड, (रावन झीपन लाईमस्टोन माईन), ग्राम – रावन, झीपन, पेण्ड्री, कसहीडीह और फुंडरडीह, तहसील – सिमगा, जिला – बलौदाबाजार – भाटापारा (छ.ग.) द्वारा Expansion in Limestone Production Capacity from 7.5 Million TPA to 11.8 Million TPA, Top Soil 0.41 Million TPA, Over Burden 2.96 Million TPA and Mineral & Screen Reject 0.64 Million TPA (Total Excavation : 15.81 Million TPA) and one proposed crusher of 2500 TPH capacity within the mine lease area of 722.834 Ha. के पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु दिनांक 09.01.2025 को आयोजित लोक सुनवाई का विवरण।

भारत सरकार, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, द्वारा जारी ई.आई.ए. नोटिफिकेशन 2006 (यथा संशोधित) के तहत् मेसर्स अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड, (रावन झीपन लाईमस्टोन माईन), ग्राम – रावन, झीपन, पेण्ड्री, कसहीडीह और फुंडरडीह, तहसील – सिमगा, जिला – बलौदाबाजार – भाटापारा (छ.ग.) द्वारा Expansion in Limestone Production Capacity from 7.5 Million TPA to 11.8 Million TPA, Top Soil 0.41 Million TPA, Over Burden 2.96 Million TPA and Mineral & Screen Reject 0.64 Million TPA (Total Excavation : 15.81 Million TPA) and one proposed crusher of 2500 TPH capacity within the mine lease area of 722.834 Ha. हेतु पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त करने बाबत् लोक सुनवाई कराने हेतु छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मण्डल में आवेदन किया गया है। दैनिक समाचार पत्रों नवभारत तथा द इंडियन एक्सप्रेस में दिनांक 10/12/2024 को लोक सुनवाई की सूचना प्रकाशित करवाई जाकर दिनांक 09.01.2025 समय 11:00 बजे लोकसुनवाई का आयोजन ग्राम रावन स्थित शासकीय भूमि खसरा नंबर 418/1, 715/1, 715/7, रकबा क्रमशः 7.676, 9.510, 3.000 हेक्टेयर, तहसील–सुहेला, जिला – बलौदाबाजार – भाटापारा (छ.ग.) में छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल, क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर और जिला प्रशासन जिला – बलौदाबाजार– भाटापारा द्वारा संयुक्त रुप से किया गया है, जिसकी सूचना संबंधित ग्राम पंचायतों को प्रेषित की गई व तामिली भी ली गई।

परियोजना के पर्यावरणीय स्वीकृति बाबत् लोक सुनवाई दिनांक 09.01.2025 को अपर कलेक्टर, जिला बलौदाबाजार–भाटापारा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। लोक सुनवाई के दौरान क्षेत्रीय अधिकारी, छ.ग.पर्यावरण संरक्षण मंडल, रायपुर, गणमान्य जनप्रतिनिधि एवं लगभग 800 जन सामान्य उपस्थित थे। लोक सुनवाई का कार्यवाही विवरण निम्नानुसार है :–

1. लोक सुनवाई प्रातः 11:00 बजे आरंभ हुई।

2. सर्वप्रथम उपस्थित लोगों की उपस्थिति दर्ज कराने की प्रक्रिया आरंभ की गई। जिन लोगों ने उपस्थिति पत्रक पर हस्ताक्षर किये है, उनकी सूची संलग्नक–01 अनुसार है, (पृष्ठ कमांक 1 से 20 तक)।

3. क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा प्रस्तावित परियोजना की लोक सुनवाई के प्रक्रिया के संबंध में जानकारी देते हुये अपर कलेक्टर महोदय से लोक सुनवाई आरंभ करने का निवेदन किया गया।

4. अपर कलेक्टर, जिला बलौदाबाजार–भाटापारा द्वारा प्रस्तावित परियोजना हेतु लोक सुनवाई आरंभ करने की घोषणा की गई तथा परियोजना प्रस्तावक को प्रस्तावित परियोजना के संबंध में जानकारी देने हेतु निर्देशित किया गया।

परियोजना प्रस्तावक की ओर से डॉ. के. वी. रेड्डी संयुक्त अध्यक्ष एवं कॉर्पोरेट हेड (पर्यावरण) डॉ. के.वी. रेड्डी, ने कहा कि अल्ट्राटेक सीमेंट आदित्य बिरला समूह की एक अग्रणी कंपनी है, जिसकी उत्पादन क्षमता 171.11 मिलियन टन प्रति वर्ष है जो 18 राज्यों में 32 इंटीग्रेटेड प्लांट, 34 सीमेंट प्लांट, 1 क्लिंकराइजेशन प्लांट, 33 ग्राइंडिंग यूनिट और 8 बल्क टर्मिनल संचालित कर रही है। अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड पूरे भारत में 80 से अधिक खदानें संचालित कर रहा हैं, जिसमें से 9 खदानें छत्तीसगढ में चल रही हैं। प्रजेन्टेशन के माध्यम से प्रस्तावित परियोजना के बारे में विस्तार से प्रस्तुतिकरण दिया तथा बताया कि रावन झीपन चूनापत्थर खदान (खदान पट्टा क्षेत्रः 722.834 हैक्टेयर) एक ऑपरेटिंग खदान है और उत्खनित चूनापत्थर का उपयोग कंपनी के इंटीग्रेटेड रावन सीमेंट संयंत्र में सीमेंट निर्माण के लिए किया जा रहा है/किया जाएगा। मौजूदा एकीकृत सीमेंट प्लांट (यूनिट रावन सीमेंट वर्क्स) क्लिंकर उत्पादन क्षमता 6.5 मिलियन टन प्रतिवर्ष, सीमेंट 3.3 मिलियन टन प्रतिवर्ष, डब्ल्यू.एच.आर.एस. 16 मेगावाट और सी.पी.पी. 80 मेगावाट के साथ संचालन कर रहा है। लाइन–III की स्थापना के बाद संयंत्र की उत्पादन क्षमता बढ़ जाएगी, जिसमे क्लिंकर 6.5 से 10.0 मिलियन टन प्रतिवर्ष, सीमेंट 7.0 मिलियन टन प्रतिवर्ष, डब्ल्यू.एच.आर.एस. 36 मेगावाट हो जाएगी। जिसके लिए पर्यावरण वन जलवायु परिवर्तन मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा 06.07.2022 को पर्यावरण स्वीकृति प्राप्त की जा चुकी है।मेसर्स अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड द्वारा सीमेंट प्लांट की बढ़ी हुई क्षमता को पूरा करने के लिए, कंपनी ने रावन झीपन चूनापत्थर खदान में चूनापत्थर की उत्पादन क्षमता को बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है। जिसमें चूनापत्थर उत्पादन क्षमता 7.5 मिलियन टन/वर्ष से विस्तार कर 11.8 मिलियन टन/वर्ष, टॉप साइल (शीर्ष मृदा) 0.41 मिलियन टन/वर्ष, ओवर बर्डन 2.96 मिलियन टन/वर्ष और खनिज एवं स्क्रीन रिजेक्ट 0.64 मिलियन टन/वर्ष (कुल उत्खनन15.81 मिलियन टन/वर्ष) और 2500 टन/घंटा क्षमता का एक प्रस्तावित क्रशर माईस लीज एरिया के अंदर –722.834 हेक्टेयर मे उत्खनित किया जायेगा। उत्खनित चूना पत्थर को 850 टन प्रतिवर्ष और

1500 टन प्रतिवर्ष के दो मौजूदा क्रशर के अलावा, या तो 2500 टन प्रतिवर्ष क्षमता का एक नया क्रशर खदान पट्टा क्षेत्र के भीतर स्थापित किया जाएगा या चूनापत्थर की क्रशिंग के लिए मौजूदा क्रशर की क्षमता बढ़ाई जाएगी। क्रशर से प्लांट तक चूना पत्थर कवर्ड कन्वेयर बेल्ट के माध्यम से ले जाया जाएगा और ले जाया जा रहा है।तत्पश्चात् खनन पट्टे की स्थिति के बारे में बताया गया, मेसर्स ग्रासीम इंडस्ट्रीज लिमिटेड को 722.834 हेक्टेयर क्षेत्र मे खनन के लिए मंशा पत्र क्रमांक 3–10/92/12/3/1/5 भोपाल, के तहत दिनांक 02.08.1993 को राज्य सरकार द्वारा 20 वर्षों की अवधि के लिए प्रदान किया गया। राज्य सरकार द्वारा मेसर्स ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड को 722.834 हेक्टेयर हेतु खदान पट्टा क्षेत्र पत्र क्रमांक 3–18/92/12/3/1 भोपाल, के तहत दिनांक 01.11.1993 को 20 वर्षों की अवधि के लिए प्रदान किया गया था। जो कि 04.12.1993 से 03.12.2013 तक की अवधि के लिए वैध था। छत्तीसगढ़ खनिज संसाधन विभाग मंत्रालय के कलेक्टर के आदेश पत्र क्रमांक एफ 7–11/11/12, रायपुर दिनांक 26.06.2014 द्वारा मेसर्स ग्रासिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड से मैसर्स अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड के नाम पर खदान पट्टा हस्तांतरित किया गया था। खदान पट्टा दिनांक 02.08.2014 को हस्तांतरित किया गया था।खदान पट्टा क्षेत्र को खान और खनिज (विकास और विनियमन) (संशोधन) (एम.एम.डी.आर. संशोधन अधिनियम), 2015 की धारा 8 ए के अन्तर्गत दिनांक 31.03.2016 को 30 वर्षों के लिए (04.12.2013 से 03.12.2043) तक मेसर्स अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड के पक्ष में बढ़ाया गया। प्रोग्रेसिव माइन क्लोजर प्लान के साथ संशोधित खनन योजना को पत्र क्रमांक आरपीआर/बलौदा –बाजार/एलएसटी/1388/एमआरएमपी/2023–24, दिनांक 25.10.2023 को भारतीय खान ब्युरो, रायपुर द्वारा अनुमोदित किया गया है। रावन झीपन चूनापत्थर खदान (खदान पट्टा क्षेत्रः 722.834 हेक्टेयर) एक ऑपरेटिंग खदान है और उत्खनित चूनापत्थर का उपयोग कंपनी के इंटीग्रेटेड रावन सीमेंट संयंत्र में सीमेंट निर्माण के लिए किया जा रहा है। प्लांट बंद होने की स्थिति में उत्खनित चूनापत्थर का उपयोग अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड के हिरमी सीमेंट वर्कस, बैकुंठ सीमेंट वर्क्स और कुकुरडीह सीमेंट वर्क्स में उपलब्धता और आवश्यकता के अनुसार किया जाएगा। यह परियोजना स्थानीय अर्थव्यवस्था को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से मदद करेगी क्योंकि यह परियोजना विभिन्न करों और कर्तव्यों के माध्यम से राज्य के साथ–साथ राष्ट्रीय खजाने में भी योगदान देगी। पर्यावरणीय मंजूरी के लिए दिनांक 18.01.2024 को पर्यावरण वन जलवायु परिवर्तन मंत्रालय नई दिल्ली में आवेदन किया गया। टी.ओ.आर पत्र दिनांक 09.07.2024 को जारी किया गया। टी.ओ.आर की शर्तों के अनुसार परियोजना स्थल के 10 कि.मी. परिधि क्षेत्र में मानसून के बाद (अक्टूबर 2023 से दिसंबर 2023) में पर्यावरणीय स्थिति जल, वायु, मृदा, ध्वनि, जैवमण्डल, सामाजिक–आर्थिक पर्यावरण इत्यादि का आधारभूत अध्ययन पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा अनुमोदित कंसलटेंट के द्वारा किया गया, जो कि निर्धारित मानकों के भीतर पाए गए। तत्पश्चात् दिनांक 11.09.2024 को छत्तीसगढ पर्यावरण संरक्षण मण्डल में लोक सुनवाई हेतु दस्तावेज जमा कराये गए। लोकसुनवाई का विज्ञापन दैनिक समाचार

पत्र नवभारत तथा द इंडियन एक्सप्रेस में प्रकाशित कराया गया। प्रस्तावित खनन योजना का विवरण, खान स्थल की तस्वीरें प्रदर्शित की गयी। परियोजना के अध्ययन क्षेत्र की पर्यावरणीय स्थिति दर्शाता मानचित्र प्रदर्शित किया गया। क्षेत्र की पर्यावरणीय स्थिति अंतर्गत निकटतम ग्रामः रावन (लगभग 80 मीटर उत्तर पूर्व दिशा में) और झीपन (लगभग 130 मीटर उत्तर पश्चिम दिशा में), निकटतम शहर/कस्बाः बालौदाबाजार (लगभग 17.0 किलोमीटर उत्तर पूर्व दिशा में) निकटतम राजमार्गः एसएच–10 (लगभग 14 किलोमीटर उत्तर दिशा में), एसएच–30 (लगभग 30 किलोमीटर पूर्व दिशा में), एनएच–130 बी (लगभग 18 किलोमीटर पूर्व दिशा में), निकटतम रेलवे स्टेशनः भाटापारा रेलवे स्टेशन (लगभग 17 किलोमीटर उत्तर उत्तर पश्चिम दिशा में), निकटतम हवाई अड्डाः स्वामी विवेकानन्द हवाई अड्डा, रायपुर (लगभग 50 किलोमीटर दक्षिण पश्चिम दिशा में) 10 कि.मी. अध्ययन क्षेत्र में कोई राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभयारण्य, बायोस्फीयर रिजर्व, वन्यजीव कोरिडोर, बाघ/हाथी रिजर्व आदि और संरक्षित वन नहीं होना, तथा केवल एक धाबाड़ीह आरक्षित वन (लगभग 9.8 किलोमीटर पूर्वोत्तर दिशा में) होने की जानकारी दी गयी। 10 कि.मी. अध्ययन क्षेत्र में लगभग 1.5 किलोमीटर से 9.0 किलोमीटर क्षेत्र में 8 नाला और टेंक, 3 नदी और नहर मौजूद हैं। भूकम्पीय क्षेत्र आई.एस.: 1893 (भाग–1): 2002 के अनुसार जोन –।।, की जानकारी देते हुये पट्टा क्षेत्र से 10 कि.मी. अध्ययन क्षेत्र का नक्शा प्रदर्शित किया गया। परियोजना की आधारभूत आवश्यकताओं के अंतर्गत पानी की आवश्यकता, मानव शक्ति के आवश्यकता, उर्जा की आवश्यकता । पर्यावरण प्रबंधन योजना के लिए पूंजीगत लागत 844.85 लाख रुपये और पर्यावरण प्रबंधन योजना के लिए आवर्ती लागत 61.79 लाख रुपये प्रतिवर्ष होगी। मौजूदा पर्यावरण प्रबंधन योजना के लिए पूंजीगत लागत 840.41 लाख रुपये और पर्यावरण प्रबंधन योजना के लिए आवर्ती लागत 81.1 लाख रुपये प्रतिवर्ष है तथा कुल पूंजीगत लागत 1694.26 लाख रुपये और आवर्ती लागत 139.39 लाख रुपये प्रतिवर्ष होगी। सी.एस.आर. लागत नियमानुसार किया जाना बताया गया। खनन विवरण, खनन प्रक्रिया प्रवाह चार्ट, स्थलाकृति एवं जल प्रवाह विन्यास, मौसम संबंधित आकड़े तथा वायु गुणवत्ता एवं ध्वनि प्रबंधन के संबंध में जानकारी दी गयी। वायु गुणवत्ता एवं ध्वनि प्रबंधन, भू–जल मॉनिटरिंग, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन मौजूदा खदानों में हरित पट्टिका विकास और पौधारोपण आदि संबंधित चित्र प्रदर्शित किया गया। कोर क्षेत्र का खनन के पश्चात भूमि उपयोग, हरित पट्टिका विकास और पौधारोपण और सी.एस.आर.। सी.एस.आर. गतिविधियों पर खर्च कुल राशिकी जानकारी दी गयी। पिछले पांच वर्षों में सी.एस.आर. गतिविधियों में कुल 1092.8 लाख रूपये खर्च किए गए हैं। मौजूदा सी.एस.आर. मदद से किये गये कार्यो का चित्र प्रदर्शित किया गया। व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के संबंध में जानकारी दी गयी।

अपर कलेक्टर, जिला बलौदाबाजार–भाटापारा के द्वारा कहा गया कि अभी आपके सामने परियोजना का उल्लेख किया गया है। इस संबंध में विचार व्यक्त करने के लिए मैं आपको आमंत्रित करता हूॅ। आपकृपया यहां पर आयें माईक

के पास एक–एक कर के इस परियोजना के संबंध में अपना पक्ष या विपक्ष जो भी आप कहना चाहते हैं आकर अपना विचार रखें। आप अपना विचार व्यक्त करने से पहले अपना नाम और गांव का नाम बतायें। इसके बाद आप अपना विचार रखें। जिनको लिखित में देना है, वो लिखित में भी दे सकते हैं। मंच के पास काऊंटर बना है, वहां आप अपना लिखित में अभ्यावेदन दे सकते हैं और जिनको बोलना है वो कृपया माईक पर आयें और अपना विचार व्यक्त करें।

1. श्री रंजीत कुमार वर्मा, ग्राम– रावन, ने कहा कि मेरी जमीन ग्रासिम रोड में फंसा हुआ है, 40 साल हो गया मुआवजा कुछ भी नहीं मिला। आवेदन भी दे चुका हूँ, 2 महीना पहले। कहते हैं कुछ करेंगे लेकिन कुछ नहीं हो रहा है।

2. श्री दुलेष वर्मा, ग्राम–रवेली, ने कहा कि हमारे गांव की रोड बहुत खराब है, इसे बनवाने के लिए मैं निवेदन करता हूँ, और मेरे गांव में एक लिफ्ट एरिगेशन लगा हुआ है, जिसमें ट्रांसफार्मर नहीं है, तो ट्रांसफार्मर लगाने की कृपा करें।

3. श्री मान सिंह लहरी, ग्राम– रावन, ने कहा कि आपको एक छोटी सी बात याद दिलाना चाहता हूँ, 14.11.2011 को जो लोक जनसुनवाई हुई थी, उसमें भी मैं आया था, तो उस समय वहांप्लांट के यूनिट हेड एम.एम. तिवारी, उन्होंने मुझे पक्की नौकरी देने का वादा किया था और इसी मंच पर वादा किया था तो मुझे उस समय 1 साल की ट्रेनिंग के लिए प्लांट में रखा, उसके बाद मुझे कहा गया कि आप अभी ठेकेदार के अंदर कार्य कीजिए, ज्यादा अनुभव के बिना हम पक्की नौकरी नहीं देते, आपको जब अनुभव हो जाएगा, तब हम पक्की नौकरी दे देंगे। अभी मुझे 11 साल का अनुभव हो गया है और मैंने फिटर ट्रेड से आई.टी.आई. किया है और 11 साल से फिटर ट्रेड में ही काम कर रहा हूँ, तो श्रीमान से अनुरोध है कि अब मेरे पास अनुभव है और मैं पढ़ा लिखा भी हूँ और मेरे कार्य क्षेत्र को देखते हुए मुझे मेरे एजुकेशन के हिसाब से काम मिल सके और कंपनी मुझे परमानेंट नौकरी दे, यह मेरी मांग है।

4. श्री महेश वर्मा, ग्राम–रावन,ने कहा कि मेरी भी जमीन रोड में फंसी हुई है।

5. श्री ओमकार वर्मा, ग्राम–रावन, ने कहा किहमारे ग्राम में कंपनी स्थापित है, तो हम चाहते हैं कि हमारे गांव के जो नवयुवक हैं उनको कंपनी की तरफ से रोजगार दिलाया जाए। अल्ट्राटेक नाम तो बहुत बड़ा है, लेकिन सिर्फ नाम बढ़ा होने से कुछ नहीं होता, हमारे गांव के तालाब में से बहुत बदबू आती है, उसमें कोई ब्रश भी नहीं कर सकता, जब अल्ट्राटेक सीमेंट इतना बड़ा ब्रांड है तो रावन गांव को भी एक ब्रांड बनाना चाहिए। रावन गांव का नाम इतना पिछड़े वर्ग में क्यों आ रहा है, ना बिजली की व्यवस्था है, ना पानी की व्यवस्था है,मैं चाहता हूँ कि गांव का भी कुछ उन्नति हो।

6. श्रीमति अदिति बाघमार, जिला पंचायत सदस्य, ग्राम– खपराडीह, ने कहा कि रावन झीपन लोक सुनवाई कार्यक्रम में आज अपर कलेक्टर महोदय उपस्थित हैं, पर्यावरण क्षेत्रीय अधिकारी एवं समस्त कर्मचारी, आसपास के जनप्रतिनिधिगण, आसपास के

ग्रामीण और पुलिस प्रशासन आप सभी का इस जनसुनवाई में हार्दिक अभिनंदन करती हूँ। आज माइंस का विस्तारीकरण किया जा रहा है, इस संदर्भ में कहना चाहती हूँ, कि उद्योग को मंदिर की संज्ञा दी जाती है। जिस प्रकार मंदिर में लोगों के आस्था श्रद्धा और विकास होता है, इस तरह उद्योग की स्थापना में लोगों के मन में यह भाव आता है कि क्षेत्र का विकास हो, गांव का विकास हो और स्वयं का भी विकास हो, उद्योग हमारे लिए वरदान साबित होना चाहिए ना कि अभिशाप। सरकार ने जो उद्योग नीति बनाई है, उसका पालन होना चाहिए, स्थानीय क्षेत्रीय बेरोजगारों को उनके योग्यता अनुसार रोजगार मिलना चाहिए, क्षेत्र का समुचित विकास हो, इसका चिंतन कंपनी को करना चाहिए, बीच–बीच में जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक एवं गांव के वरिष्ठ और बुजुर्गों के साथ बैठक और समस्याओं का आपस में मिल जुलकर समाधान करने का प्रयास करना चाहिए। सिर्फ जन प्रतिनिधियों से मिलकर आने से गांव की समस्याओं का समाधान नहीं होगा।वरिष्ठ लोगों के भी कुछ दायित्व होते हैं और उनको भी इच्छा रहती है कि मैं इस काम को बोलकर कंपनी प्रबंधन से करवा लु, कंपनी प्रबंधन स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल और पोषण, मनोरंजन एवं पर्यावरण के प्रति सबसे अधिक ध्यान देना चाहिए। आज के आधुनिक युग में कम से कम पर्यावरण को क्षति पहुंचे, ऐसी मशीनों का उपयोग करते हुए माइंस को चलाना चाहिए और प्लांट को भी चलना चाहिए, ताकि प्रदूषण कम से कम हो और पर्यावरण का संतुलन बना रहे, इसके लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना चाहिए, जिसकी मुझे कमी महसूस होती है। 2016 में अकाल की स्थिति आई थी तो अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट वाले लोग रवेली में किसानों की सिंचाई के लिए अपने स्वयं के खर्चे से पूरा पानी दिया था। इसी तरह मानवता की पूर्ण अपेक्षा हम आपसे करेंगे। कुछ अभी हमारे भाई बोल रहे थे कि वहां रोड बहुत खराब है, इस पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है और जो भी परेशानी है, उसे कंपनी प्रबंधन दूर करें और जो सिंचाई की व्यवस्था, उसे फिर से प्रारंभ करें। आसपास के बच्चों का स्किल डेवलपमेंट कराया जाएताकि बच्चे यहीं प्रशिक्षण लें और यही नौकरी प्राप्त कर लें। आप क्षमता विस्तारीकरण करें अच्छी बात है, उद्योग लगने से स्थानीय लोगों का जीवन स्तर ऊंचा उठता है। क्षेत्र के लोगों को रोजगार मिला है, क्षेत्र का विकास होगा। उद्योग आने से हमारे गांव की स्थिति बदली है, शैक्षिक और बौद्धिक उन्नति हुई है। आपकी संस्था को यहीं रहना है और हमें भी यही रहनातो हम सब मिलकर ऐसा वातावरण का निर्माण करें, जिससे क्षेत्र के लोगों का जीवन स्तर ऊपर उठे। क्षेत्रीय लोगों की भावनाओं और प्राथमिकताओं को अनदेखी ना करते हुए विस्तार कार्यक्रम का कार्य करें। हमारे साथ जितनी भी महिलाएं आई है,सबकी यही समस्या है कि सबको रोजगार मिले उनके बच्चों को रोजगार मिले, ऐसा मुझे विश्वास है और इसे आप लोग प्राथमिकता दें। जिन बच्चों को रोजगार नहीं मिला है, उन बच्चों को योग्यता के अनुसार अभी नौकरी मिलनी चाहिए। कंपनी से निवेदन करूंगी कि योग को भी प्राथमिकता दें, जिससे हमारे बुजुर्ग महिलाएं और बच्चे योग का प्रशिक्षण ले सके और योग के लिए एक शिक्षक भी होना चाहिए। आज के समय में योग बहुत जरूरी है। एक बात मुझे और कहना था, बुजुर्गों के लिए कम से कम स्पेशलिस्ट डॉक्टर बुलाया जाए, रायपुर बहुत दूर

पड़ता है, बिलासपुर बहुत दूर पड़ता है, यहां आस–पास आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं है तो लोग रायपुर, बिलासपुर नहीं जा सकते और इलाज नहीं करवा सकतेअगर स्पेशलिस्ट डॉक्टर के द्वारा कैंप लगाया जाएतो यहां के लोग उससे स्वास्थ्य लाभ उठा सकते हैं और वृक्षारोपण करें। मैं माइंस विस्तारीकरण का समर्थन करती हूँ।

7. श्री दिलीप कुमार वर्मा, ग्राम– रावन ने कहा कि आज अल्ट्राटेक सीमेंट रावन के लोक सुनवाई में आए आदरणीय अपर कलेक्टर साहब और आदरणीय क्षेत्रीय अधिकारी, पर्यावरण संरक्षण विभाग और आयोजन प्रबंधक और हमारे मीडियागण के साथीऔर जनप्रतिनिधि और मजदूर सेवक, वरिष्ठ नागरिकगण,सबको दिलीप वर्मा की तरफ से जय जोहार। मैं एक मजदूर हूँ और मजदूर का सेवा करता हूँ, मैं हर एक संयंत्र में आता जाता हूँ तो मुझे पता है कि संयंत्र लगाने से पहले संयंत्र प्रबंधन बहुत मीठा–मीठा आश्वासन देते है ंआज यही आश्वासन फिर दे रहे हैं कि स्थानीय लोगों को रोजगार देंगे लेकिन मैं अपर कलेक्टर साहब से कहना चाहता हूँ कि यह केवल कागज में ना रहे, रोजगार स्थानीय लोगों को मिले। आज कोई भी संयंत्र में जाकर देख लो पर्यावरण अधिनियम का कोई पालन नहीं हो रहा है। अभी यहीं रावन ग्रामके किसी भी छत पर जाकर देख लो आपको यहां बहुत डस्ट मिलेगा, हमें जमीनी स्तर पर कार्य करना है और पर्यावरण का संरक्षण करना हैं।साथ में रोजगार की बात की जाती है, आप लोगों को रोजगार छत्तीसगढ़ के लोगों को देना है, बिहार जैसे दूसरे राज्य के लोगों को नहीं देना हैं। यहां के लोगों को आपने लेबर बना कर रख दिया, मैं प्लांट प्रबंधन से पूछना चाहूँगा कि आपने कितने लोगों को पक्की नौकरी पर रखा है और कितने लोगों को ठेकेदारी पर रखा है। छत्तीसगढ़ के लोगों को सिर्फ ठेकेदारी पर ही नौकरी दिया जाता है, उसके लिए भी 50 बार प्लांट के चक्कर लगाने पड़ते हैं। यह हकीकत है, इन सब को सुधारने की जरूरत हैआज मुझे जनसुनवाई में अपनी बात रखने का मौका मिला है तो मैं यह कहना चाहता हूँ कि हमारे आसपास के क्षेत्र में रावन, झीपन, कसीहीडीह, सुहेला इन सब के बेरोजगार युवा साथी लोगों को सीमेंट इंडस्ट्री में काम में रखा जाए और जो साथी वहां काम कर रहे हैं,उन्हें भी ठेकेदारी में मिनिमम वेजेस ना देकर सेंट्रल का वेजेस दिया जाए। उनके सुरक्षा के लिए अभी हमने चार दिन पहले कलेक्टर साहब को आवेदन किया है, यहां सी.एस.आर. के माध्यम से करोड़ों रुपए सरकार को मिलते हैं लेकिन बलौदाबाजार जिले में एक भी ई.एस.आई.सी. हॉस्पिटल नही ंहै, यहां पर ई.एस.आई.सी. हॉस्पिटल का निर्माण कराया जाए, इससे श्रमिकों को सुरक्षा और अच्छा इलाज मिलेगा। आज यह देखने को मिलता है किसी.एस. आर. फंड जो गांव के विकास में खर्च करना हैवह आधे से ज्यादा तो रायपुर, बिलासपुर जैसे जगह में हो रहा हैं। इंडस्ट्री के 10 किलोमीटर के रेडियस के अंदर जितना गांव है उनका विकास कराया जाए सबसे बड़ा हैं, सुरक्षा आप लोग कंपनी खोलते हैं, ठीक है उसका विस्तार करिए, क्षेत्र का विकास करो, हमने जो भी मांग रखी है उस पर अमल करो और आसपास के क्षेत्र को दुर्दशा से बचाओ। यहां पर दिनभर ओवरलोड गाड़ियां चल रही है, हमारा रोड पूरा खराब हो चुका है, जो 10

मिनट का रास्ता है रावन से पड़कीडीह जाकर देखो, बाइक में वहां कोई जाना नहीं चाहता। इस पर ध्यान दीजिए। अगर आप हमारे मांगों को पूरा करेंगे तो मैं इस प्लान का समर्थन करता हूँ।

8. श्रीमति पूर्णिमा लहरे, पूर्व सरपंच, ग्राम– रावन ने कहा कि ऐसी कटाई दिखने लगी कि प्रकृति भी उस पर चिखने लगी है, मानवजाति ने ऐसा सर्वनाश किया है, अब तो ऑक्सीजन भी बिकने लगी है, पेड़ पौधों का महत्व सबको बताना पड़ेगा, सबको मिलकर एक पौधा तो लगाना ही होगा, अगर चाहते हो संपूर्ण मानव जाति की भलाई तो सबको मिलकर आगे आना ही होगा। आज दिनांक 9 जनवरी को अल्ट्राटेक के रावन,झीपन खदान की विस्तार के संबंध में आयोजित पर्यावरणीय लोक सुनवाई का समर्थन करती हूँ लेकिन मेरी कुछ मांगे हैं कि प्रभावित गांवों में प्रत्येक सप्ताह बुजुर्गों, बच्चों एवं बीमार व्यक्तियों के लिए मेडिकल कैंप करवाया जाए। गांव के बच्चों को आई.टी.आई. प्रशिक्षित बच्चो को अप्रेंटिस की सुविधा दी जाए और स्थानीय लोगो को ज्यादा से ज्यादा रोजगार के लिए प्राथमिकता दी जाए। हमारे गांव को एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड की आवश्यकतानुसार सुविधा प्रदान करना सुनिश्चित करें ताकि किसी भी घटना के होने पर हम बच सके। प्रभावित ग्राम के लोगों के लिए और बच्चों के लिए आवश्यक अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराया जाना चाहिए और प्रभावित गांवों के लिए सी.एस.आर. फंड से विकास के कार्य को महत्व दिया जाए।

9. श्री जितेन्द्र वर्मा, ग्राम–मल्दी, ने कहा कि आज अल्ट्राटेक सीमेंट रावन के माइंस के विस्तारीकरण के लिए जनसुनवाई का कार्यक्रम रखा गयाहै और यहां आस–पास के क्षेत्र में स्वाभाविक है कि यह प्लांट आता है तो रोजगार का अवसर उपलब्ध होता है लेकिन रोजगार बाहर के लोगों को मिलता है, यहां के स्थानीय लोगों को रोजगार नहीं मिलता।आज की लोक सुनवाई माइंस के विस्तारीकरण के लिए है तो मैं पर्यावरण के विषय पर ही बात करूंगा, ग्रीन बेल्ट की बात की जाती है। ग्रीन बेल्ट बनाई जा रही है और पर्यावरण की सुरक्षा की जा रही है कोई बताएं कि कहां पर ग्रीन बेल्ट बनाया गया है, कोई हमें इसकी जानकारी दें।

10. श्री संतोष कुमार यदु, ग्राम–रावन,ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल के द्वारा अल्ट्राटेक सीमेंट के जो माइंस का विस्तारीकरण है, उसके जनसुनवाई में उपस्थित पर्यावरण के जो अधिकारी है और जिला प्रशासन के जो कलेक्टर है और सभी अधिकारियों कर्मचारियों को मेरा नमस्कार। आज के जनसुनवाई के संबंध में कहना चाहता हूँ, अभी जितने भी हमारे भाई बहन और माताएं अपनी बात बोल कर जा रहे है तो, मैं यह आशा करता हूँ जिला प्रशासन के अधिकारियों से और यहां के कंपनी के अधिकारियों से कि जितनी भी समस्या बताई जा रही है उसका निवारण वह करेंगे कि नहीं ? मैं जनप्रतिनिधि हूँ और क्षेत्र में दस साल से ज्यादा से एक्टिव हूँ और लोगों की सेवा करने के लिए, मजदूर और किसानों की सेवा करने के लिए संघर्ष करता हूँ, जिसकी वजह से कई पुलिस मामले भी मुझ पर दर्ज है बहुत यातनाएँ झेली है, और पुलिस के डंडे भी खाएं हैं।

बलौदाबाजार क्षेत्र में बड़ी–बड़ी कंपनियां लगी हुई है उसमें यह देखा गया है कि कंपनी खोलने के समय जो बात रखी जाती है यहां के अधिकारियों द्वारा उसे पूरा नहीं किया जाता है, लेकिन मैं दोनों बात को बोलूंगा जो काम किया गया हैं उन्हें भी बोलूंगा और जो काम नही किया गया है उसे भी बोलूंगा इसके लिए मैं बधाई देना चाहता हूँ कि अल्ट्राटेक सीमेंट रावनके द्वारा एक अच्छा प्रयास किया जा रहा है। मेरा जो यूनियन है उसमें मैं देखता हूँ कि अल्ट्राटेक सीमेंट के अंदर मजदूर को जो मिनिमम वेजेस मिलना चाहिए केंद्र सरकार के अनुसार वह मिलता है। यहां के जितने ठेकेदार हैं उनके द्वारा सारा चीज दिया जाता है लेकिन मैं एक चीज कहना चाहता हूँ कि जमीन यहां के आदमियों की है, तो बाहर के ठेकेदार को काम क्यों दिया जाता है। जिसके कारण स्थानीय व्यक्ति जो पढ़े लिखे हैं उनका शोषण होता है इसीलिए जो लोकल व्यक्ति है उसे ही यहां रोजगार दिया जाए। यहां बड़े–बड़े अधिकारी आते हैं और अपने रिश्तेदारों को ठेकेदार बना कर ले आते हैं, ऐसा नहीं है कि छत्तीसगढ़ में किसी चीज की कमी है, यहां पर पढ़े–लिखे लोगों की कमी नहीं है। हमारे आसपास के सारे गांव मे हमको पढ़े–लिखे लोग मिल जाएंगे लेकिन इन गांवों के लोगों को छोड़कर बाहर के व्यक्तियों को क्यों रोजगार दिया जा रहा है। इस बात पर ध्यान दिया जाए कि जब भी यहां पर पोस्ट निकलता हैतो उसमें स्थानीय व्यक्तियों को रोजगार मिलना चाहिए, बहुत बार ऐसा होता है जब हम अधिकारियों को फोन लगाते हैं पर वह हमारी बात नहीं सुनते रावन और उसके आसपास के प्रभावित गांवों के व्यक्तियों को पहले प्राथमिकता देनी चाहिए, अगर यहां के स्थानीय लोग आवेदन नहीं कर रहे हैं तब उसके बाद जिला और प्रदेश के लोगों को रोजगार दे सकते है। हमारे स्थानीय व्यक्तियों का सम्मान होना चाहिए। संविधान को बाबा साहब अंबेडकर जी ने बनाया है जैसे गुजरात में गुजराती लोगों को महत्व दिया जाता है बिहार में बिहारी लोगों को महत्व दिया जाता है झारखंड में झारखंड के लोगों को महत्व दिया जाता है महाराष्ट्र में मराठी लोगों को पहले महत्व दिया जाता है, लेकिन छत्तीसगढ़ के लोगों को महत्व क्यों नहीं दिया जाता मैं कहना चाहूँगा कि अगर कोई कंपनी हमारे छत्तीसगढ़ में है तो उसमें कार्य करने वाले सभी अधिकारियों कर्मचारियों को यहां पर ज्वाइन करने से पहले छत्तीसगढ़ी सीखना अनिवार्य करना चाहिए उसके बाद ही उन्हें यहां पर नौकरी मिलनी चाहिए जब वह हमारी भाषा को समझेंगे तभी हमारी समस्याओं का समाधान करेंगे। रोजगार की अगर बात की जाए तो जो सेंट्रल के नियम में और जो शासन के नियम में हैस्थानीय लोगों को पहले महत्व दिया जाता है और अल्ट्राटेक के बारे में यह बात सत्य हैकि यहां के स्थानीय लोगों को रोजगार दिया गया लेकिन यह कहना चाहूँगा कि जिनकी जमीन बिक गई उन्हीं लोगों को सिर्फ रोजगार मिला है लेकिन हमारे आसपास के प्रभावित गांव के लोग बार–बार मेरे पास मांग लेकर आते हैं कि आज तीस साल से ज्यादा हो गए कोर्ट में केस किए हुए और बड़े उद्योगपति से गांव के गरीब लोग कैसे लड़ पाएंगे तो मै यह कहना चाहता हूँ कि कंपनी सारे केस वापस लेऔर जिनके भी जमीन का मुआवजा नहीं मिला है उन्हें अभी केरेट के हिसाब से रजिस्ट्री किया जाएऔर उनके परिवार से कम से कम एक व्यक्ति को परमानेंट नौकरी दी जाए यह हमारी मांग है। बहुत व्यक्ति कहते हैं कि संतोष यादव

प्लांट के विरुद्ध है इस कारण से मुझ पर कई मामले दर्ज हुए, जेल भी गया लेकिन जब तक हम विरोध नहीं करेंगे तब तक यह लोग सुनेंगे कैसे ? मैं उद्योग के खिलाफ नहीं हूँ, उद्योग विकास के लिए जरूरी है लेकिन ऐसा विकास हमें नहीं चाहिए जो हमारे विनाश के ऊपर बने, अगर कंपनी बन रही है और कंपनी का विस्तारीकरण हो रहा है तो हम चाहते हैं कि, बिल्कुल हो लेकिन जो प्रभावित गांवों के लोग हैं उनका भी विकास होना चाहिए, मैं उद्योग का समर्थन करता हूँ ताकि लोगों को रोजगार मिले, वह आई.टी.आई. करने के बाद अभी अप्रेंटिसशिप के लिए भटक रहे हैं। बाहर से आए हुए बड़े–बड़े ठेकेदार हमारे पढ़े–लिखे भाइयों का शोषण करते हैं और उन्हें पक्की नौकरी न देकर ठेकेदारी के अंदर नौकरी दी जाती है, माननीय कलेक्टर महोदय से मैं मांग करता हूँ कि जितनी भी अप्रेंटिस की वैकेंसी निकलती है कंपनियों में उसमें प्रभावित गांवों के व्यक्तियों को पहले प्राथमिकता दी जानी चाहिए इस मंच के माध्यम से मैं निवेदन कर रहा हूँ और चेतावनी भी दे रहा हूँ कि पड़कीडीह की रोड पर 15 दिन के अंदर काम प्रारंभ नहीं हुआ तो संतोष यादव की जान चली जाए पर मैं पड़कीडीह से रावन के बीच चक्का जाम करूंगा, इस रोड में बहुत एक्सीडेंट होते हैं, इसी रोड में कंपनी की बड़ी–बड़ी गाड़ियां गुजरती है, यह रोड यहां की लाइफ लाइन है इसे बिल्कुल बनाना पड़ेगा। 2017 में मैंने जो अनशन किया था उसमें मैं तिल्दाबांधा के लिए मांग रखा था कि गर्मी के समय में एक–एक बूंद पानी के लिए गांव के लोग तरसते हैं खदान में इतना पानी एकत्रित है उसी पानी को बाहर बहा दिया जाता है, उसी पानी को उपयोग करने के लिए पाइप लाइन बिछाई जाए और उस पानी का उपयोग किया जाए।

11. श्री कमल बांधे, प्रदेश अध्यक्ष इंटक, छत्तीसगढ ने कहा कि आज के इस जनसुनवाई में उपस्थित आदरणीय अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, पर्यावरण विभाग के क्षेत्रीय अधिकारी, आदरणीय एस.डी.एम. महोदय, सम्मानीय तहसीलदार महोदय जी, अतिरिक्त तहसीलदार महोदय जी,एस.एस.पी. साहब, हमारे मेसर्स अंबुजा सीमेंट के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी, खनिज विभाग, पर्यावरण, पुलिस प्रशासन और साथ ही रवान सहित आस–पास से आए हुए आदरणीय पंच, सरपंच एवं जनप्रतिनिधि लोग, सभी युवा भाई–बहन, माता–शक्ति, हमारे साथीगण और हमारे मीडिया साथी गण, तथा आज की लोक सुनवाई मेसर्स अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड का पर्यावरणीय लोक सुनवाई में हार्दिक स्वागत करता हूँ और समर्थन करता हूँ। स्वागत और समर्थन इसलिए करता हूँ कि मेसर्स अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड कई वर्षों से संचालित है और माइंस की क्षमता विस्तार होने से हमारे प्रभावित गांवों के युवा बेरोजगार लोगों को रोजगार की व्यवस्था हो पाएगी। साथ ही गौण खनिज रायल्टी से मिलने वाले सी.एस.आर. फंड से हमारे रावन और आस–पास के गाँव का विकास होगा। साथ ही गौण खनिज रायल्टी के डी.एम.एफ. फंड से राज्य के विकास में भी अग्रणी भूमिका निभाएगी। हम देखते हैं कि जैसे पश्चिम बंगाल और उड़ीसा है वहां पर उद्योग का बहुत विरोध होता है और यही कारण है कि वहां के युवा शिक्षित बेरोजगार लोग हमारे छत्तीसगढ़ में दिल्ली, मुंबई जैसे राज्यों में रोजगार की तलाश

कर रहे हैं, अगर किसी क्षेत्र में कोई कंपनी खुलता है तो कुछ नुकसान होते हैं लेकिन कुछ फायदे भी होते हैं, जैसे हमारे युवा बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा जब कोरोना महामारी फैली थी तब यही अल्ट्राटेक सीमेंट हमारे निवेदन को स्वीकार करके हमारे मजदूर भाई लोगों के लिए खाने–पीने का और रहने का व्यवस्था किया था। स्वास्थ्य और चिकित्सा की व्यवस्था की थी और घर में बैठ कर हमारे सैकड़ो मजदूर साथियों को रोजी मजदूरी भी दिया। मै अल्ट्राटेक सीमेंट का हार्दिक स्वागत और समर्थन करता हूँ।

12. श्री लीलेन साहु, ग्राम–छिराही, ने कहा कि यह जो जनसुनवाई हो रहा है इसके बारे में कुछ कहना चाहता हूँ मैं छिराही गांव से हूँ वह आश्रित ग्राम में आता है, मैं वहां के पंच के पद में हूॅ, यहां जो जनसुनवाई हो रहा है, उसके बारे में वहां नहीं कोई मुनादी हुआ और नहीं कोई सूचना दिया गया और एन. ओ. सी. भी नहीं लिया गया, किसी को भी कोई सूचना नहीं दी गई है, इस बात को नोट किया जाए। एक बात और है इस माइंस में एक और धांधली होती है, काम में रखने से पहले रिजाइन लेटर साइन करवा कर ले रहे, ये नए–नए नियम कानून बनाते हैं, अभी दो बच्चों जो यहां काम कर रहे थे उनसे रिजाइन लेटर को साइन करवा कर गलत फायदा उठा रहे है और इस कंपनी के जो अधिकारी हैं खास तौर पर रमेश नकुम, मैं अपने न्याय के लिए इनसे बात की, यहां के अधिकारी बहुत दादागिरी करते हैं, यह हमारे छत्तीसगढ़ के लोगों को सपोर्ट नहीं करते छत्तीसगढ़ के लोगों का शोषण करते हैं, तो क्या दूसरे राज्य से आए लोग राज करेंगे और माइंस के बारे में यह बताना चाहूँगा कि वहां पर इतना रिस्क से काम होता है कोई भी सेफ्टी मेजर उपकरण का उपयोग नहीं किया जाता, वहां पर्यावरण के नाम पर एक भी पेड़ नहीं लगाया गया, ठेकेदारी में भी जो काम कर रहे हैं, उन्हें केंद्र सरकार का न्यूनतम दर नहीं दिया जा रहा है, अभी जो 30–32 लोगों को नौकरी पर रखा गया है, उसमें 28 से 29 आदमी बाहर से हैं सिर्फ दो आदमी हमारे स्थानीय हैं, पुराने माइंस के गड्ढे को अभी तक नहीं भरा गया है।

13. श्रीमति प्राची पाण्डेय, ग्राम–रावन, ने कहा कि उत्तम चरित्र वालों के लिए पूरा विश्व ही अपना है, हम पालन पोषण हर व्यक्ति का करते हैं लेकिन हर व्यक्ति असंतुष्ट है, हम क्षमा चाहेंगे यहां के जितने प्रतिनिधि हैं उन्होंने अपनी बात रखी और मैं भी अपनी बात रखने आई हूँ, शिकायत तो बहुत सुन ली लेकिन मेरा भी कुछ अनुभव है, यह कंपनी 2005 में स्थापित हुई है, मैं उनसे यह पूछना चाहूँगी कि उस समय की फोटो है क्या? आपके पास, उस समय की फोटो और आज की वर्तमान स्थिति से आप आकलन कर लीजिए कि कंपनी के माध्यम से कितना विकास हुआ है, देखिए अकेला चना भाड़ नहीं फोडता, आप लोग बुरा मत मानिएगा आप लोगो के संदर्भ में बात कहना चाहती हूँ कि, हम अकेले बुलंदियों को नहीं छू सकते, कंपनी ने गांव के विकास के लिए बहुत कार्य किए हैं, आसपास के 15 गांव कोयह प्लांट सी.एस.आर. फंड के माध्यम से कंप्यूटर प्रशिक्षण देती है, हमारी बहन, बेटी और बहुएं जो 6–7 कि.मी. दूर से ट्रेनिंग लेने आती है, और अपने आप को मजबूत करके रोजगार प्राप्त कर रही हैं। एक दिन में हम पूरा प्रोग्रेस नहीं कर सकते, लेकिन

धीरे–धीरे तो कर ही सकते हैं ना। प्लांट की तरफ से सड़क भी बनवाया गया है, 15 आंगनबाड़ी का निर्माण करवाया गया, उसके बाद टीकाकरण भी करवाते हैं, सिंचाई के लिए स्प्रिंकलर और पानी की व्यवस्था करते है और इन्हीं सब कारणों से हम प्लांट का बहुत–बहुत आभार व्यक्त करते हैं।

14. श्रीमती प्रीति कुशवाहा ग्राम–रावन, ने कहा कि अल्ट्राटेक सीमेंट के द्वारा हमें निःशुल्क प्रशिक्षण जैसे सिलाई, कंप्यूटर ट्रेनिंग जैसे बहुत सी ट्रेनिंग दी जाती है और इससे हमें रोजगार प्राप्त हुआ है।

15. श्री खिलेन्द्र उपाध्याय, जनपद सदस्य, ग्राम–फुडराडीह आश्रित ग्राम ने कहा कि अगर समस्याओं के बारे में बात की जाए तो बहुत सी समस्याएं हैं, मैं बस दो चीज बोलना चाहता हूँ कि इससे पहले जो दीदी आई थी उन्होंने कहा कि कंपनी 2005 से चालू हुआ है, तो यह कंपनी 2005 से स्टार्ट नहीं हुआ है, यह 1990 से चल रहा है। हम जब अभी प्लांट में बात करने गए थे तब हमें सीधे कहा गया था योग्यता के आधार पर रोजगार देंगे, कुछ समय बाद हम फिर बात करने गए तब उन्होंने कहा कि हम अनुभव के आधार पर रोजगार देंगे, और उन्होंने हमारे कुछ स्थानीय लोगों को रोजगार दिया भी कुछ समय बाद हम फिर बात करने गए तब एक नया नियम आ गया है चरित्र प्रमाण पत्र चाहिए। घर–घर में छोटे–मोटे झगड़े होते हैं और इसकी वजह से हमारे रावन गांव के बच्चे बेरोजगार हो रहे हैं, इसके लिए हम लोग कलेक्टर साहब, तहसीलदार साहब, सब जगह आवेदन दे चुके हैं और अगर पुलिस की कोई भी धारा किसी व्यक्ति पर लगी है तो कंपनी नौकरी से निकाल देती है। आपके ऊपर पुलिस की धारा लगी है। हमारा जो रोजगार कार्यालय विभाग है उनसे यह कहना चाहूँगा कि, वहा प्लेसमेंट ऑफिस खोल दे उससे यह होगा कि जो हम सरपंच और जनप्रतिनिधियों को बच्चों के लिए रोजगार के लिए बात करने जाना पड़ता है, वह नहीं करना पड़ेगा।

16. श्रीमती पिंकी साहु ग्राम–रेंगाडीह, ने कहा कि इस प्रस्तावित चूना पत्थर खदान के विस्तार होने से निश्चित ही रोजगार के अवसर मिलेंगे, जिससे शिक्षित नवयुवकों को रोजगार का मौका मिलेगा, मैं चाहती हूँ कि स्थानीय शिक्षित युवकों को योग्यता के आधार पर रोजगार मिले, इसी क्रम में बताना चाहती हूँ पिछले साल यहां पर अप्रेंटिस प्रशिक्षण में मुझे एक वर्ष का प्रशिक्षण मिला, उसके बाद अभी मेरा माइंस में टेक्नीशियन के लिए चयन हुआ है, मैं मैनेजमेंट से आशा करती हूँ कि, आने वाले समय में भी प्रशिक्षित युवाओं को मौका मिलेगा साथ ही मैं मैनेजमेंट को धन्यवाद देना चाहती हूँ कि जेनडर डाइवर्सिटी को महत्व दिया जा रहा है, एवं एक अच्छा वातावरण महिलाओं के कार्यक्षेत्र में विकसित किया गया। मैंने अनुभव किया है कि, यहां पर खनन की उच्च तकनीकी मशीनों का उपयोग किया जाता है, जिससे पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता साथ ही सभी कर्मचारियों के स्वास्थ्य के लिए भी कंपनी सजग हैं। हम सभी को अपना सुझाव रखने के लिए पर्याप्त अवसर दिया जाता है एवं नवीनतम तकनीक के लिए समय–समय पर हमें प्रशिक्षण दिया जाता है, जिससे कि हम सतत विकास की ओर अग्रसर हो सके, मैं कंपनी से

उम्मीद करती हूँ कि महिलाओं को विकसित करने हेतु प्रशिक्षण जैसे सिलाई, कढ़ाई, ब्यूटीसीयन, कंप्यूटर कोर्स, योग प्रशिक्षण एवं महिला सशक्तिकरण हेतु एक टीम का गठन किया जाए।मानव जीवन के विकास एवं देश में औद्योगीकरण को विकसित करने हेतु उद्योगों की अहम भूमिका होती है, इसलिए मैं इस परियोजनाओं का समर्थन करती हुँ।

17. श्री राम गोपाल बांधे ग्राम–पेण्ड्री सरपंच, ने कहा कि मेरी मांग यह है कि मेरे ग्राम पंचायत जो 1200 एकड़ में फैला हुआ है जिसमें 500 एकड़ जमीन कंपनियों द्वारा अधिग्रहित किया जा चुका है और हमारे गांव में किसी को रोजगार भी नहीं मिला है, पिछले साल कांग्रेस की सरकार में गौठान योजना चल रहा था उसमें मेरी चार एकड़ जमीन माइंस की लीज मे आ गई है, उसका अभी तक समाधान नहीं हुआ है, अतः मुझे उसकी जगह दूसरी जगह पर जमीन देने की कृपा करें।

18. श्रीमती चंद्रिका वर्मा ग्राम–चुचुंरूपुर, ने कहा कि मैंने अल्ट्राटेक से 2015 में सिलाई का ट्रेनिंग ली उसके बाद 2016 में हम को टीचर का प्रशिक्षण दिया हमें अल्ट्राटेक ने हीं दिया, उसके बाद 5 साल हमने अल्ट्राटेक में काम किया, कोरोना काल में हैंड वॉश और मास्क बाहर से क्यों खरीदें इसीलिए अल्ट्राटेक वालों ने हम महिला समूह को मौका दिया सर हम महिलाओं का आर्थिक विकास हुआ।

19. श्री हेमन्त बघमार ग्राम–खपराडीह, ने कहा कि माननीय महोदय अभी जनसुनवाई चल रही है, इसमें बहुत सारी बाते हमारे विभिन्न साथियों ने रखी लेकिन अभी एक बात हमारे एक भाई ने रखी मैं उनकी बात पर घोर आपत्ति जताना चाहता हूँ कि एक प्रतिष्ठित जनप्रतिनिधि पर पैसों की लेनदेन का आरोप लगाना बिना किसी सबूत, अगर उनके पास कोई सबूत है, तो प्रस्तुत करे क्योंकि यह हमारे जनप्रतिनिधि की प्रतिष्ठा की बात है, कि हमारे क्षेत्र से माननीय कैबिनेट मंत्री जी आते हैं, उनके ऊपर इस तरह का रिश्वत का आरोप लगाना सही नहीं है, बलौदाबाजार की बहुत गौरव की बात है कि हमें टंक राम वर्मा जैसे प्रतिनिधि मिले, मैं आपसे निवेदन करता हूँ कि उन्होंने जो बात कही उसे जनसुनवाई से हटाया जाए, मैं कहना चाहूँगा कि आपके पास सबूत है, तभी ऐसी बात कहें क्योंकि हम अपने जनप्रतिनिधि के बारे में ऐसी बातें सुनना बर्दाश्त नहीं करेंगे। कंपनी लगने सेविकास होता हैऔर यह चीज हम बहुत अच्छे से महसूस किए हैं और हमारे आसपास के गांव को देख रहे हैं, कुछ अच्छा होता है कुछ बुरा होता है, कंपनी प्रबंधन से हम यह मांग करते हैं कि जैसे सड़क की समस्या है उस पर विशेष रूप से ध्यान दें और अपने संयंत्र का विस्तारीकरण कीजिए, हम आपका समर्थन करते हैं।

20. श्रीमति सरोज साहू ग्राम–रवेली, ने कहा कि समूह के माध्यम से मैं रेडी–टू–इट चला रही थी उसे कांग्रेस सरकार ने बंद कर दिया और भाजपा सरकार ने आश्वासन दिया था कि हम काम देंगे और अभी भी हमें काम नहीं मिला हम बेरोजगार हैं। भाजपा वाले महिला सशक्तिकरण का नाम लेते हैं और अभी भी हमारे लिए कुछ नहीं किया, पड़कीडीह की मुख्य सड़क कि जल्द से जल्द मरम्मत कराया

जाए, उस रोड पर 12 टन से ज्यादा भारी वाहन नहीं चलने चाहिए लेकिन उस पर ओवरलोड गाड़ियां चलती है। हमारे गांव के नवयुवक बेरोजगार हैं एक भी युवक को इस कंपनी में रोजगार नहीं मिला।

21.श्री रोहित निर्मलकर, ने कहा कि मैं अल्ट्राटेक प्लांट में कार्यरत हूँ अभी मैंने बिलासपुर से आईटीआई किया है और मैंने 1 साल का अप्रेंटिस भी किया। मेरे बैच के कुछ लड़कों का यहां पर चयन हुआ है और जो हमारे बैच में लड़के थे, उनके योग्यताओं को देखकर उनका चयन किया गया और महिलाओं के लिए जो यह कार्य कर रहे हैं महिलाओं को प्रशिक्षण देने का कार्य बहुत सराहनीय है। पर्यावरण के संबंध में कहना चाहूँगा कि 5 जून को जो विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है, उसमें यहां की फाउंडेशन के द्वारा वृक्षारोपण का कार्य किया जाता है।

22.श्रीमति स्वाती निर्मलकर ग्राम–खपराडीह, ने कहा कि मैं कंप्यूटर प्रशिक्षण गांव में ही कराए जाने के लिए निवेदन करती हूँ और हमारे गांव में 17 स्व सहायता समूह है, जिनके लिए रोजगार की मांग करती हूँ, जैसे बहुत सी महिलाएं सिलाई, कड़ाई का काम जानती है पर उन्हें रोजगार नहीं मिल पा रहा और दोना पत्ता के लिए भी फाउंडेशन की तरफ से सहयोग मिलता तो अच्छा रहता, मुख्य रूप से कंप्यूटर प्रशिक्षण हमारे गांव में ही करवाना चाहती हूँ क्योंकि हमारे गांव से सभी प्रशिक्षण केंद्र बहुत दूर है, जिससे हमें बहुत परेशानी होती है आने–जाने में।

23.श्री विष्णु खंडेलवाल पूर्व सरपंच, ग्राम–झीपन, ने कहा कि क्षेत्रीय अधिकारी पर्यावरण संरक्षण मंडल रायपुर, रावन माइंस के विस्तार हेतु आज 09.01.2025 को जनसुनवाई का कार्यक्रम रखा गया है। यहां पर संयंत्र स्थापित होने के बाद स्थानीय लोगों के जीवन में सुधार आया है, लोगों को रोजगार का अवसर मिला, जिससे लोगों के रहन–सहन में सुधार आया है। गांव का विकास हुआ है महिला सशक्तिकरण इस तरह के कार्य किए जाते हैं। नवयुवकों को अप्रेंटिसशिप की ट्रेनिंग दी जाती है जिससे उनके रोजगार मिलने की संभावना बढ़ जाती है, मैं चाहता हूँ कि कंपनी इसी तरह अपने जनहित के कार्यक्रम को जारी रखें मैं इस कंपनी का समर्थन करता हूँ।

24.श्रीमति त्रिवेणी, ग्राम–रावन, ने कहा किमै सभी अतिथिगढ़ का स्वागत करती हूँ, मैं प्रगतिसमूह रावनसे आई हूँ, मैं इतना निवेदन करना चाहती हूँ कि प्रगति महिला ग्राम संगठन का गठन 10.2.2016 को हुआ। अल्ट्राटेक सीमेंट के इस क्षमता विस्तार के लिए आज जनसुनवाई 09.01.2025 को रखी गई है अल्ट्राटेक सीमेंट पिछले कई वर्षों से यहां पर कार्यरत है, मेरा सुझाव है कि महिला बाल विकास अधिकारियों पर जोर दिया जाए हर तीन माह में गांव के लोगों का स्वास्थ्य शिविर लगाकर चेक किया जाए। मैं एक विनती और करना चाहती हूँ यहां रावन में सड़क के किनारे बने हुए घरों से पानी निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है इस वजह से हमें बहुत परेशानी होती है।

25.श्री अनुपम अग्रवाल, जनपद सदस्य, ने कहा कियह जो प्रस्तावित क्षेत्र है उसमें ग्राम पेडरी और कसीहीडीह का मै जनपद सदस्य हूँयह कहना चाहता हूँ कि, जब तक उद्योग नहीं लगेंगे तब तक विकास नहीं होगा। मैं इनका प्रोजेक्ट रिपोर्ट देख रहा था इसमें जो इनका क्षमता विस्तार रिपोर्ट है। उसमे करीब 191 करोड़ का अतिरिक्त रेवेन्यू आएगा, मैं बस यही कहना चाहता हूँकि आज यहां पर पर्यावरणीय जनसुनवाई का कार्यक्रम है तो मैं पर्यावरण के संबंध में कुछ कहना चाहूँगा जैसे ध्वनि प्रदूषण, वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण पर यह प्रमुख सेक्टर हैं। मैं इन पर बात नहीं करूंगा इनके अलावा कुछ और प्रमुख सेक्टर हैं, वह आर्थिक पर्यावरण और सामाजिक पर्यावरण में आर्थिक पर्यावरण के बारे में बात करना चाहूँगा जैसे यहां पर सबसे ज्यादा समस्या रोजगार की है अगर उनके क्षेत्र में उद्योग खुलता है, तो हर किसी की अपेक्षा होती है कि उन्हें रोजगार मिले, इसलिए जो भी प्रभावित गांव हैतो पहले उन गांव के लोगों को प्राथमिकता दी जाए, रोजगार के लिए उसके बाद बाहर के लोगों को प्राथमिकता दी जाए और मैं यह कहना चाहूँगा 15 साल से जो मजदूर यहां कार्यरत है उन्हें उनकी योग्यता के अनुसार उनका स्किल अपग्रेड किया जाए, यह बात भी ध्यान देने लायक है कि प्रबंधन एम.टी.एस. के माध्यम से समय संपर्क वेतन वृद्धि करती है और महंगाई भत्ते को देखते हुए हर 6 महीने में मजदूरी का वेतन वृद्धि किया जाता है, दूसरी बात यह की यहां पर जितने भी भाई बैठे हैं, उनसे ज्यादा यहां पर महिलाएं बैठी हुई है, जब भी कोई संयंत्र लगता है तो पुरुषों को तो रोजगार मिल जाता है परंतु महिलाओं को रोजगार नहीं मिलता इसलिए मैं कहना चाहता हूँ कि संयंत्र में जहां भी महिलाओं की जरूरत हो वहां पर उन्हें रोजगार दिया जाए और जमीन वाला जो मुद्दा है, इसे प्रशासन स्तर पर सुधार किया जाना चाहिए। प्रशासन एक फास्ट ट्रैक कोर्ट का गठन करें जिसमें इस तरह के मामलों का निराकरण किया जाए। इसके बाद में सामाजिक पर्यावरण पर बात करना चाहूँगा यहां पर एक सर्वसुविधायुक्त आईटीआई और ट्रेनिंग सेंटर खोला जाए, किसान की बात की जाए तो किसानों के लिए जितनी भी योजनाएं हैं उन पर अमल किया जाए आधुनिक कृषि पद्धति के बारे में उन्हें बताया जाए और रही बात माइंस से पानी देने के लिए तो इस बात पर मैं अल्ट्राटेक प्रबंधन का दिल से धन्यवाद देना चाहता हूँ कि माइंस से 2.0 किलो मीटर तक पाइपलाइन बिछाकर उन्होंने हमें माइंस से पानी दिया हैं। आसपास के प्रभावित गांव जो हैं इसमें जल संरक्षण हेतु तालाब का निर्माण और नाली का निर्माण किया जाए, इससे पानी की समस्या का निराकरण हो सकेगा रावन गांव से 25 कि.मी. दूर भाटापारा में कॉलेज है, बलौदा बाजार में कॉलेज है, तिल्दा में कॉलेज है लेकिन यहां पर एक भी शिक्षण संस्थान नहीं है। मैं शासन प्रशासन और अल्ट्राटेक सीमेंट की प्रबंधन से यह मांग करता हूँ कि यहां पर एक कॉलेज खोला जाए क्योंकि महिलाएं ज्यादा दूर नहीं जा पाती अगर यहां पर कॉलेज खुलेगा तो महिलाएं अपने शिक्षा के स्तर को ऊपर उठा सकेगी। इस क्षेत्र में कहीं भी सर्वसुविधायुक्त अस्पताल नहीं है यहां पर एक ई.एस. आई.सी. हॉस्पिटल का निर्माण होना चाहिए, सरकार की ओर से सुहेला में ई.एस. आई.सी हॉस्पिटल पारित है लेकिन अभी तक उसका काम चालू नहीं हुआ है। यहां के युवा खिलाड़ियों के लिए एक बात कहना चाहूँगा कि कबड्डी, फुटबॉल, वॉलीबॉल

है इसमें नेशनल लेवल के युवा खिलाड़ी यहां पर हैं, लेकिन खेल मैदान ना होने से और उचित कोचिंग ना मिलने से यहां के बच्चे इस क्षेत्र में अपना पूर्ण समर्पण नहीं दे पा रहे तो उनके लिए अच्छा खेल मैदान की व्यवस्था की जाए और कोचिंग की व्यवस्था की जाए। सड़क की हालत बहुत जर्जर है इसके लिए बहुत बार आवेदन किया गया है और बात यह आई कि जब हम प्रशासन के पास जाते हैं तो प्रशासन कहता है कि इसकी मरम्मत अल्ट्राटेक प्रबंधन द्वारा किया जाएगा और जब हम प्रबंधन के पास जाते है तो वह कहते हैं कि यह कार्यप्रशासन की तरफ से किया जाएगा, तो मै यह कहना चाहुगा जो बड़े बजट के कार्य हैं उसे शासन प्रशासन के द्वारा किया जाना चाहिए और अल्ट्राटेक की सी.एस.आर. फंड का पैसा प्रभावित गांवों के विकास में खर्च होना चाहिए।

26. सुश्री श्वेता निर्मलकर, ग्राम–मोपाडीह, ने कहा किकंपनी प्रबंधन से प्रभावित क्षेत्र के बच्चों को महाविद्यालय जाने हेतु वाहन उपलब्ध कराना चाहिए जिसे हमारे आगे की पढ़ाई प्रभावित न हो।

27. श्री पनेश सतनामी, ने कहा कि मैं इस कंपनी का समर्थन करता हूँ, अपने संगठन की ओर से पत्र प्रेषित करता हूँ।

28. श्री ओम प्रकाश, ग्राम– पेण्ड्री, ने कहा कि मैं कंपनी प्रबंधन से बोलना चाहता हूँ कि हमारे गांव में जितने भी काम करने वाले लोग हैं उसमें से 10 प्रतिशत लोगों को भी रोजगार नहीं मिला, हमारे गांव की जमीन भी गई हमारे पास जो सिंचाई का साधन था वह भी अब माइंस बन गया तो हमारे पास कोई सिंचाई का साधन नहीं है, कंपनी ने अपना बहुत विकास कर लिया लेकिन हमारे गांव का विकास कुछ भी नहीं हुआ है। हमारे गांव के लोग बेरोजगार बन गए, मैं खुद दूसरे स्टेट में जाकर काम करता हूँ, सर मैं कई बार यहां पर अपना रिज्यूम छोड़ा, पर मुझे यहां रोजगार नहीं मिला, मुझे दुख होता है सर कि मेरे गांव के पास में इतनी बड़ी कंपनी है, बेरोजगार युवको को रोजगार मिलना चाहिए।

29. श्री राजू यादव तिल्दाबांधा, ने कहा कि अभी जो हमारे आदरणीय अनुपम अग्रवाल ने कहा कि और जो लडकी आई थी अपनी बात कहने के लिए वो आवश्यक कार्य है, दूसरी बात यह कि तिल्दाबांधा मे जो पाईपलाइन के संबंध मे बात कही तो मै कहना चाहूंगा कि पाईपलाईन का कार्य किया जा चुका है एवं कंपनी की ओर 25 लाख रुपये प्रदान किया गया, लेकिन उसमे पानी नही आ रहा है मै यह निवेदन करता हूँ कि अल्ट्राटेक के अधिकारीगण पानी उपलब्ध कराये। जब से संयंत्र की स्थापना हुआ है तब से यहा के स्थानीय लोग सुख की जीवन जी रहे है, मै इस सुनवाई का पूर्ण समर्थन करता हूँ।

30. श्री गोपाल यदु, ग्राम–रावन, ने कहा कि माननीय महोदय जी सन 1992–93 में कंपनी की स्थापना हुआ, सन् 1993–94 में किसानों के साथ जेल भरो आंदोलन में मैं 7 दिन के लिए जेल गया था। माननीय महोदय जी मैं इस क्षेत्र में एक कंपनी का गठन किया हूँ जिसका नाम है बलौदा बाजार सिमगा सीजी फार्मर प्रोड्यूसर

कंपनी उस कंपनी का डायरेक्टर हूँ ,मेरा नाम गोपाल यादव है और मैं उस कंपनी को सरकारी जमीन में संचालित करना चाहता हूँ, महोदय मैं आपको बताना चाहता हूँ कि इस कंपनी आने के पहले हमारे किसान भाई मालिक हुआ करते थे, कंपनी आने के आज नौकरी और बेरोजगारी के चक्कर में मजदूर बन गए, महोदय से निवेदन करना चाहता हूँ कि जल, जंगल, जमीन को सुरक्षित किया जाए, अच्छी सड़क की व्यवस्था की जाए स्वास्थ्य एवं सुरक्षा की व्यवस्था, अस्पताल की व्यवस्था की जाए और आप लोग का धन्यवाद देता हूँ कि स्वर्ग लोक से आके यहां मंच में आप बैठे हो, आप लोगों को मैं बधाई देता हूँ धन्यवाद देता हूँ कि आप लोग सुरक्षित हैं, मेरी यह पीड़ा है कि यह जो रोड है पडकीडीह सेयहां पर सब उसकी बात कर रहे हैं, कुछ समय पहले किसान भाई और जनप्रतिनिधि को कराया गया था कि आंदोलन करो तो उन्होंने आंदोलन किया तो क्या हुआ मैं इस कंपनी के बारे में यह कहूँगा की कंपनी किसी क्षेत्र में लगना अच्छी बात है कंपनी लगने से उस क्षेत्र का विकास होता है और किसानों को भी लाभ होता है, लेकिन मैं अपनी बात रख रहा हूँ कि हम पहले मालिक थे और आज मजदूर हो गए, मैं अपने संगठन के माध्यम से आपको बताना चाहता हूँ जो कंपनी के पास सी.एस.आर. फंड होता है उसे गांव के किसानों के लिए उपयोग करके उनको आर्थिक सहायता पहुँचाना चाहिए, खाद और बीज उपलब्ध कराना चाहिए और अन्य जो कृषि के समान है वह संगठन के माध्यम से किसान भाइयों को उपलब्ध कराया जाए ।

31. लोक सुनवाई मे उपस्थित महिला ने कहा कि गांव में किसी भी तरह के कोई कार्यक्रम करने के लिए भवन की व्यवस्था नहीं है, मैं कहना चाहती हूँ कि गांव में भवन की व्यवस्था की जाए हम महिलाओं को बहुत परेशानी होती है धन्यवाद।

32. श्री करमचंद सतनामी, ने कहा कि मैं इस प्लांट का समर्थन करता हूँ।

33. श्रीमति अंबिका वर्मा, ग्राम–झीपन, ने कहा कि झीपन के बच्चे लोग बेरोजगार हैं जिसकी वजह से कोई दारू पीकर घूम रहा है, कोई फांसी लगा रहा है, उनका शादी करने का सोचते हैं तो उनके पास नौकरी नहीं है, हमारा जमीन कंपनी क्षेत्र में है तो हमें नौकरी मिलेगा, ऐसा हम अपने बच्चों को आशा देकर रखते हैं। रोजगार उपलब्ध कराने हेतु आग्रह करती हूँ।

34. श्री दीपक कुमार वर्मा, ने कहा कि माननीय सभी अधिकारी और पत्रकार महोदय का स्वागत करता हूँ, मैं कृषक हूँ मेरा मुख्य मुद्दा जमीन है, मेरी जमीन 40 सालों से कंपनी के आने जाने के रास्ते में अधिग्रहण है, मेरा निवेदन है कि हम ग्राम–रावन,के निवासी हैं, अल्ट्राटेक के द्वारा हमारे जमीन पर जबरन का अधिग्रहण करमुख्य मार्ग का निर्माण किया गया तथा दूसरे तरफ कन्वेयर बेल्ट का निर्माण किया गया है, जबकि हम किसानों को मुआवजा भी नहीं दिया गया, इस तरह लगभग 5 एकड़ से अधिक भूमि पर काबिज है और अनेक वर्षों से अनाधिकृत रूप से काबिज किया हुआ है, अतः महोदय आपसे निवेदन है कि हमें क्षतिपूर्ति और मुआवजा दिलाने की कृपा करें।

35.श्रीमति रेखा वर्मा, ग्राम– झीपन, ने कहा कि मेरे बेटे ने एम.बी.ए. किया है और वह बेरोजगार घूम रहा है। मैंने आवास के लिए बहुत बार आवेदन किया, कलेक्ट्रेट में भी आवेदन किया, पर मुझे आवास नहीं मिल रहा है अभी तक।

36.श्री रोमनाथ वर्मा, ग्राम–गुमा, ने कहा कि यहां पर आए हुए समस्त अधिकारीगण, सीमेंट प्लांट के समस्त अधिकारीगण और गांव से आए हुए समस्त भाई बहन ने आप सबका स्वागत करता हूँ, आज जो जनसुनवाई हो रहा है उसका विषय जो है उसमें हमारे भाइयों और बहनों ने बहुत तरह की मांगे रखी है तो आप लोगों से निवेदन है कि इन बातों को आप गंभीरता से लें, मेरे यहां अल्ट्राटेक सीमेंट का माइंस है उसमें मेरे गांव के युवको को रोजगार मिले और खासकर के आज जो जनसुनवाई हो रही है वह पर्यावरण के संबंध में रखी गई है तो मैं पर्यावरण के संबंध में कहना चाहता हूँ कि मैं कंपनी से आग्रह करता हूँ कि यहां भी धूल डस्ट बहुत अधिक उड़ाते हैं। यहां वृक्षारोपण करके पर्यावरण को संरक्षित करने का कार्य करें और उनसे आग्रह करना चाहता हूँ कि उनकी अच्छे से देखभाल करें मैं एक उदाहरण देना चाहता हूँ कि मेरे गांव में माइंस है उसके आसपास पेड़ लगाए हैं अच्छी बात है लेकिन दो–तीन साल से वह बढ़ नहीं रहे हैं, उनका अच्छे से देखभाल नहीं हो रहा। गांव के युवाओं को उनकी योग्यता के आधार पर रोजगार मिले और कंपनी जो यह विस्तार कर रही है उसका मैं समर्थन करता हूँ। हमारे गुमा का जो हाई स्कूल है वह यहां का सबसे पुराना हाई स्कूल है वह सन् 1964 से संचालित है वहां शिक्षा की कमी है तो मैं कंपनी के अधिकारियों से कहना चाहता हूँ कि वहां शिक्षक की व्यवस्था सी.एस.आर. के माध्यम से की जाए। एक और बात करना चाहूँगा कि मेरा स्कूल क्षेत्र के अंदर 18 एकड़ जमीन है और वह माइंस के क्षेत्र में है मुझे कहा गया कि इसके जगह मुझे दूसरी जगह जमीन दिया जाएगा तो जल्द से जल्द मुझे जमीन दिया जाए धन्यवाद। मैं इस लोकसुनवाई का समर्थन करता हूँ।

37.श्रीमति सरोजिनी रात्रे, ग्राम – पड़कीडीह, ने कहा कि हमारे गांव पड़कीडीह में पानी की बहुत समस्या है हमें प्राइवेट बोर से पीने के लिए पानी लेना पड़ता है, वहां सरकारी बोर की व्यवस्था नहीं है हमें पानी की व्यवस्था चाहिए धन्यवाद ।

38.श्री तोरण लाल वर्मा, ग्राम– रावन ने कहा कि अल्ट्राटेक सीमेंट रावन में वर्ष 1994–95 में हमारी जमीन माइंस के लिए अधिग्रहण किया गया है। मैं ग्राम रवान का निवासी हूँ, हमें शासन से आज तक मुआवजा राशि नहीं मिला और हमें हमारी जमीन के संबंध में जानकारी अपर्याप्त है।

39.श्री अनिल यादव सरपंच प्रतिनिधि, ग्राम – तिल्दाबांधा ने कहा कि निश्चित तौर पर उद्योग खुलने से रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं। मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि कंपनी प्रबंधन रोजगार की व्यवस्था करें और रोड की भी समस्या है, रोड की भी व्यवस्था की जानी चाहिए अभी बहुत लोगों ने कहा कि यहां पानी की समस्या है। अभी माइंस में जमा पानी को हमारे तिल्दाबांधा में पाइप लाइन से देने का अनुबंध हुआ है लेकिन अभी उसमें पानी नहीं आ रहा है, हमारे गांव में पानी की बहुत

समस्या होती है हमारे गांव में जो नाला है उसमें चेक डैम का निर्माण करें, जिससे पानी जमा किया जा सके और जो वृक्षारोपण किया जाता है, उसकी देखभाल अच्छे से की जाए मैं इस माइंस विस्तारीकरण का समर्थन करता हूँ।

40. श्री नारायण वर्मा, ग्राम–रावन, ने कहा कि 1991 से अभी तक हमारे जमीनों का अधिग्रहण किया हुआ है लगभग 55 एकड़, 27 किसानो की जमीन है, कंपनी ने वहां माइंस बना दिया है और हमें अभी तक मुआवजा नहीं दिया गया और लीज कब तक के लिए लिया गया है यह भी नहीं बताया गया और सभी किसान भाइयों को वर्तमान रेट से मुआवजा मिलना चाहिए।

41. श्री ईश्वर यदु, ग्राम–गुमा, ने कहा कि मेरा अभी माइंस में नया ज्वॉइनिंग हुआ है और मुझे कोई रिजाइन लेटर नहीं साइन करवाया गया है। मैं इस लोक सुनवाई का समर्थन करता हूँ।

42. लोकसुनवाई मे उपस्थित एक व्यक्ति ने कहा कि यहां सब बात कर रहे हैं कि रोजगार की व्यवस्था नहीं है लेकिन यहां किसानों की बात कोई नहीं कर रहा है, मेरा निवेदन है कि हमारे खेतों तक जाने के लिए सड़क व्यवस्था नहीं है, अगर एक रोड की व्यवस्था करवा दी जाती, लेकिन हमारा कोई सुनने वाला नहीं है हमको कोई पूछने वाला नहीं है। यहां कॉलेज खोला जाना चाहिए।

43. श्री कमलेश साहू ग्राम–गुमा, भूतपुर्व सरपंच ने कहा कि अभी जो बताया गया कि गुमा में जहां पर पेड़ नहीं लगाया गया है वहां पर कम से कम 10,000 पेड़ लग चुका है, अभी भी वहां वृक्षारोपण का काम चल रहा है, महोदय साहब इससे पहले एक भाई ने कहा कि स्किल्ड वर्कर को सेमी स्किल वर्कर में ट्रांसफर कर दिया गया लेकिन वह गलती से हुआ था। मैं जनसुनवाई का समर्थन करता हूँ।

44. श्री भुवनेश्वर प्रसाद साहू,ने कहा कि बलौदा बाजार में बहुत सारे सीमेंट के प्लांट हैं इसलिए इसे छत्तीसगढ़ का सीमेंट हब कहा जाता है और सन् 1990 से 1995 के दशक में हर घर में छपरा और मिट्टी के घर थे और आज हर गांव में 95 प्रतिशत घर पक्के हो चुके हैं। हमें हिंदी बोलना भी नहीं आता था और आज हमें हिंदी बोलना और समझना भी आता है। एक गौरव की बात और है पहले हमारे क्षेत्र में 10वीं 12वीं के आगे पढ़ाई की व्यवस्था नहीं थी, हमारे पढ़ाई का स्तर बहुत कम था, अब पढ़ाई का स्तर बढ़ा है और मैं सब क्षेत्रवासियों को यह कहना चाहता हूँ कि मैं लोकसुनवाई का समर्थन करता हूँ।

45. श्री परेश वैष्णव, ग्राम – रिसदा, ने कहा कि आज से कई वर्ष पहले जब यहां पर मोदी सीमेंट था तब हमारे गांव के बहुत से लोगों को रोजगार मिला था और हमारे क्षेत्र का विकास भी हुआ। इस कंपनी का विस्तार होने सेरोजगार के और साधन मिलेंगे। मैं लोकसुनवाई का समर्थन करता हूँ।

46. श्री सोमकान्त निर्मलकर, प्रदेश महासचिव इंटक, ने कहा कि सभी को मेरा नमस्कार, मेरा एक सवाल है कि अभी यहां एक बहन ने कहा कि जब वह कॉलेज जाते हैं

पढ़ने के लिए तो उन्हें बहुत दिक्कत होती है। मेरा यह निवेदन है कि सड़क बनने तक उनके लिए गाड़ी की व्यवस्था कर दी जाए, एक बात और है हमारे मजदूर भाई और किसान भाई कह रहे थे किजो अंदर में बैंक है उसमें हमें जाने में बहुत दिक्कत होती है, तो गांव के लिए बैंक की एक ब्रांच की व्यवस्था अलग से कर दी जाए और अल्ट्राटेक के कार्य तो सराहनीय है। मैं इस कंपनी का समर्थन करता हूँ।

47. श्री ओम नारायण वर्मा (पूर्व सरपंच, ग्राम–छिराही), ने कहा किमेरा गांव यहां से 7 किलोमीटर की दूरी पर है, मेरा वर्तमान निवास इस गांव में है, यहां के लोग पर्यावरण संरक्षण का मतलब नहीं समझते हैं। वह सिर्फ रोजगार की बात कर रहे हैं जो अहम मुद्दा है उसकी बात नहीं कर रहे हैं, एक व्यक्ति बोलता है कि स्कूल की जमीन कौन ले सकता है गुमा ग्राम में स्कूल की जमीन दान की जमीन है, तो उसे कंपनी वाले कैसे अधिग्रहण कर सकते हैं। यहां के अधिकारियों से शिक्षक की मांग करते हैं तो यह बताएं मुझे की यह कंपनी शिक्षक बनाता है क्या, आप सब अधिकारीगण यहां पर बैठे हुए हैं आपको भी किसी न किसी शिक्षक ने हीं पढ़ाया है। यहां वृक्षारोपण नहीं किया गया है। यहां सड़क की व्यवस्था नहीं है, नाली की व्यवस्था नहीं है। हमारे बच्चे हैं तो उनको हमें ही पढ़ना लिखाना होगा, यह कंपनी थोड़ी ना पढ़ाएगी और कंपनी से क्या रोजगार मांगेंगे, आपके ही तरह अपने बच्चों को अधिकारी बनाएंगे छत्तीसगढ़ के लोगों का शोषण नहीं होना चाहिए और आज जो पर्यावरण के संबंध में सुनवाई हो रही है, उसमें जो मूलभूत समस्या है उनका निदान होना चाहिए। प्रबंधक से मै कहना चाहूँगा कि सी.एस.आर. मद के फंड का उपयोग हमारे गांव के विकास में होना चाहिए।

48. श्री अजय चकोले, रायपुर ने कहा कि जिंदगी में ना कोई राह आसान चाहिए, ना कोई पहचान चाहिए, बस एक ही दुआ मांगते हैं, इस छत्तीसगढ़ के पर्यावरण में सुधार होना चाहिए। सबसे पहले पर्यावरण विभाग को धन्यवाद देना चाहूँगा कि ई.आई.ए. रिपोर्ट मिल गई है, साथ ही साथ ई.आई.ए. रिपोर्ट की बहुत सारी चीजे समझ मे आई और बहुत सारी चीज समझमे नहीं आई,रिपोर्ट में आपने लिखा है 11.8 मिलियन टन पी.ए. लाइन स्टोन निकाला जाएगा, प्लस 55 प्रतिशत फ्लाई ऐश तो टोटल यह हो जाएगा 18.29 मिलियन टन तो इतना सीमेंट बनेगा यदि अगर इतना ज्यादा सीमेंट बनता हैतो उसके परिवहन के लिए प्रतिदिन 1670 ट्रक लगेंगे और यदि इतनी ट्रक का परिवहन होगा और वह प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के 12 टन क्षमता वाली सड़क पर रोज चलेंगे तो उस रोड का क्या हाल होगा। मैं पहले भी कह चुका हूँ प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना वाली सडक मे इतनी ज्यादा ट्रक चलना उचित नहीं है। मैं कंपनी से कहना चाहूँगा कि उस रोड को आप लोग बनवा दीजिए, आप लोगों के पास सीमेंट भी फ्री का है जिप्सम भी उपलब्ध है, रोड बनने से आपको ही फायदा होगा आपके ही ट्रक उसमें चलेंगे आपकी कमाई में इजाफा होगा यदि रोड सही नहीं होगा तो लोगों का आना–जाना मुश्किल होगा एवं एंबुलेंस का भी आना जाना मुश्किल हो जाएगा। मैं यहां उपस्थित सभी अधिकारी

और प्लांट प्रबंधन से निवेदन करूंगा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की सड़क से काम नहीं चलने वाला, अभी एक सज्जन ने कहा था कि रोड की चौड़ाई ज्यादा होनी चाहिए साथ ही साथ ई.आई.ए. रिपोर्ट में इन्होंने अपने माइंस से बहुत लाइमस्टोन निकाल चुके हैं, जिससे 100 एकड़ के तालाब का निर्माण हो गया है, यहां पर प्रबंधन को क्लोजर रिपोर्ट बनाना होता है और अगर यदि क्लोजर रिपोर्ट बना दे और सरकारी जमीन है तो गांव को वापस करना है, क्योंकि अभी यहां पर जो लिखा हुआ है 25 हेक्टेयर के करीब शासकीय भूमि है जो माईनिंग में उपयोग हो रही है। वायु गुणवत्ता, ध्वनि प्रदूषण में कंसल्टेंट ने 10 मॉनिटरिंग स्टेशन के बारे में बताएं, जिसमें बताया गया कि पी.एम. 2.5 और पी.एम. 10 की सांद्रता दिखाई गई लेकिन कंसलटेंट ने यह नहीं बतायाकी जहां से डाटा कलेक्ट किया गया है वह जगह कहां पर है, मॉनिटरिंग स्टेशन का जी.पी.एस. डाटा भी शेयर करना था, जिससे हमें पता चल सके की मॉनिटरिंग कहां पर की गई है, विस्फोट से ध्वनि प्रदूषण होगा लेकिन वह कितना ज्यादा होगा आपने अपने रिपोर्ट में नहीं बताया क्योंकि आसपास रहवासी मकान है, उन्हें कंपन से नुकसान हो सकता है। कंसलटेंट ने रिपोर्ट में बताया है कि 21 अनुसूचित प्रजातियां हैं, वह कौन–कौन सी प्रजातियां हैं, वह हमें कैसे मालूम होगा इस तरह का आधा अधूरा रिपोर्ट बनाते हैं। आप लोग माइंस के जल का सड़क पर छिडकाव में उपयोग करेंगे, यह अच्छी बात है। मैं इस लोकसुनवाई का स्वागत एवं समर्थत करता हूँ।

49. श्री हेमंत तिवारी ग्राम–रावन, ने कहा कि बड़ा दुख होता है कि मैं इस गांव का पंडित हूँ और फिर भी बाहर से पंडित को बुलाया जाता है, मेरी आपसे विनती है कि प्लांट के अंदर मंदिर में पूजा करने के लिए जो बाहर के पंडितो को वेतन दिया जाता है वह मुझे भी दिया जाए और 30 सालों से हमारा जमीन भी अधिग्रहण में है उसके मुआवजे का अभी कोई जानकारी नहीं मिला है, निवेदन है कि आप प्लांट में बात करें कि गांव के पंडित को मंदिर में पूजा करने की परमिशन दिया जाए।

50. श्रीमती माधुरी वर्मा, सरपंच, ग्राम–रावन, ने कहा कि पंडित जी की बात का मै समर्थन करती हूँ और गांव वालों के लिए बैंक की व्यवस्था बाहर हो।

51. श्री हेमन्त वर्मा, ग्राम–ने कहा कि मंच पर उपस्थित सभी अतिथि को मेरा प्रणामसर यदि बात रोजगार की हो रही है तो बात पहले शिक्षा की होनी चाहिए, यहां जो शिक्षा मिलती है, प्लांट में भी स्कूल है वह बुनियादी शिक्षा के साथ–साथ वहां कलात्मक शिक्षा की भी सुविधा है। यह सुविधा हमारे गांव में नहीं है यदि यही सुविधा हमारे गांव में मिलती या फिर गांव के बच्चों को स्कूल में 5 से 10 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था होती तो यहां के बच्चों को भी अच्छी शिक्षा मिलेगी। पर्यावरण के जो भी माइनर और मेजर इफेक्ट है सभी गांव के लोगों पर पड़ता है। ई.एस. आई.सी. की जो सुविधा है, वह सिर्फ कंपनी के कर्मचारियों को मिलता है। यह सुविधा हमारे लिए भी होना चाहिए।

52.श्री राजेश वर्मा, ग्राम–रावन, ने कहा कि मैं जनसुनवाई के माध्यम से प्रबंधक को सूचित करना चाहता हूँ कि माइंस से लगे हुए जो हमारे गांव के तालाब है उसका पानी जल्दी ही खत्म हो जाता है, तो महोदय से निवेदन है कि पानी की समस्या को दूर करने के लिए तालाब का सौंदर्यकरण एवं गहरीकरण करवाया जाए।

53.श्री शेष नारायण वर्मा, ग्राम– रावन, जनपद सदस्य, ने कहा कि यहां जनसुनवाई में उपस्थित सारे अधिकारी गण और ग्रामवासियो से कहना चाहता हूँ कि मैं इस खदान के जनसुनवाई का सशक्त समर्थन करता हूँ, इस प्लाट में 27 साल तक माइंस विभाग में मैंने अपनी सेवा दी है । एक प्लाट खुलने से किसी भी क्षेत्र या किसी भी राज्य के आसपास का विकास होता है, जो कर्मचारी उसमें काम करते हैं उससे ज्यादा बाहर के लोगों को जीवन यापन करने का माध्यम मिलता है। सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल में भी कंपनी वालो ने सहयोग किया। क्रशर से बहुत डस्ट उड़ता है हमने कई बार इसके लिए आवाज उठाई लेकिन वह नहीं सुनते, वह डस्ट उडकर हमारे खेतों में जाता है तो आने वाले 10 से 20 सालों में हमारा जमीन खेती लायक नहीं रहेगा। मुझे भी एक बार अवसर मिला वृक्षारोपण करने का, रावन माइंस से तिल्दा के बीच। लोकल लोगों को रोजगार देना चाहिए, किसी गांव की अगर एक एकड़ जमीन भी प्लांट के अंदर आती है तो उसे लोकल माना जाना चाहिए अगर आपको स्थानीय लोगों के बीच से योग्य कर्मचारी नहीं मिलते तब आप बाहर से कर्मचारी लाइए और बाहर से जो ठेकेदार आते हैं तो छत्तीसगढ़ में ठेकेदार नहीं है क्या ?

54.श्री बोधराम वर्मा, ग्राम–रवेली, ने कहा कि आप सभी को मेरा सादर प्रणाम, एक कहावत है बिन पानी सब सुन, यह चरितार्थ हमारे गांव रावली में होने वाला है, कुछ समय में। सन 1992 में कंपनी के आगमन के समय या आगमन के पूर्व यहां से 01 किलोमीटर की दूरी में माइंस है व पीछे 01 किलोमीटर में रवेली गांव है, अब यहां पर माइंस खुल गया है, जिससे पूरा पानी उस माइंस में ही जा रहा है गर्मी के दिनों में पानी की बहुत समस्या होती है, गांव में 04 तालाब हैपूरा गांव इन्हीं तालाबों में निस्तारी का काम करता है, माइंस का जो पानी है उसका लाभ हमें मिल रहा था अभी दो वर्ष पहले पानी के रास्ता में खदान के द्वारा मिट्टी का ढेर लगा दिया गया और रास्ता बंद कर दिया गया, आने वाले समय में रवेली में पानी की बहुत दिक्कत होगी दूसरी बात यह है कि हमारे पूर्व वक्ता लोग बोल चुके हैं और मैं भी वह बात कहना चाहता हूँ माइंस की जो गहराई है उसे आप लोग विशेष ध्यान दीजिए क्योंकि ज्यादा गहराई होने से क्षेत्र में जल संकट का सामना करना पड़ेगा। सड़क की जितनी जरूरत हम ग्राम रवेली वालों को है आप लोग बलौदा बाजार से रावनके लिए आए हैंऔर अगर आप लोग पडकीडीह वाले रास्ते से होते हुए आये हैं तो आप लोगों को बताने की जरूरत नहीं है और मैं आपसे निवेदन करता हूँ कि एक बार उस सड़क का उपयोग करके देखिए उस सड़क की हालत बहुत जर्जर है, अभी हमारे गांव की एक बहन ने कहा कि हम घर के बाहर कुछ नहीं सुखा सकते सत्य बात है, वह जो कह रही है धूल और कीचड़ से हम बहुत परेशान हैं और यह समस्या यहां का स्थानीय निवासी ही जानता है। यहां सभी पत्रकार भाई

बैठे हैं यह जब गांव में आए तब हमने इनसे कहा कि हम धूल डस्ट से इतना परेशान है कि हम अपने घर के बाहर बैठकर खाना भी नहीं खा सकते इतना डस्ट होता है, कम से कम यह बात अपने पेपर में प्रकाशन कर दीजिए और प्रकाशित करने के दूसरे दिन से ही पानी के छिड़काव की व्यवस्था की गई है, इस सड़क के लिए हमने दो दिन का धरना प्रदर्शन भी दिया था, जो तत्कालीन कलेक्टर महोदय थे उन्होंने कहा था कि आपका रोड तत्काल बनाया जाएगा, उन्होंने हमें आश्वासन दिया तब हमने अपना धरना प्रदर्शन को स्थगित किया, जब भी जन प्रतिनिधि शासन के कर्मचारी और अल्ट्राटेक सीमेंट के अधिकारी के पास हम गए अपनी बात लेकर और हर जगह यही बात कहा जाता है की स्वीकृति मिल चुकी है लेकिन अभी तक कार्य नहीं हुआ।

55. श्री राममूर्ति यादव, ग्राम–रावन, ने कहा कि मैं इस जनसुनवाई का समर्थन करता हूँ।

56. श्री छविराम यादव, ग्राम – रावन, ने कहा कि मैं अल्ट्राटेक में कार्यरत हूँ मुझे जो वेतन मिलता है उसमें मै अपने परिवार का पालन पोषण नहीं कर पा रहा हूँ अपने परिवार में किसी का इलाज भी नहीं करवा पाता हूँ।

57. श्री राज भानसिंह, अल्ट्राटेक यूनियन प्रतिनिधि, ने कहा कि जैसे कि सभी लोगों ने बात कहीकिसान वर्ग हो चाहे श्रमिक वर्ग हो सभी ने यह माना कि प्लांट आने से यहां बहुत कार्य हुआ पर बहुत कुछ कार्य अभी बाकी है, जो हमारे ठेका श्रमिक है उनको जो स्टेट गवर्नमेंट का और सेंट्रल गवर्नमेंट का वेजेस दिया जाता है बड़ा प्लांट होने के नाते अपने मैनेजमेंट से यह बात रखा था। अनस्किल्ड, स्किल्ड, सेमी स्किल्ड, हाई स्किल्ड और हमारे वेतन में बढ़ोतरी की गई है और अच्छी खासी बढ़ोतरी की गई है जिससे हमे हेल्प मिली है।

58. श्री कबीर राम यादव, ग्राम–पेंड्री, ने कहा कि माननीय कलेक्टर महोदय और अल्ट्राटेक सीमेंट प्रबंधन की मदद से हम अपने गांव का विकास करेंगे प्रबंधन द्वारा कई प्रकार का विकास कार्य हमारे गांव में कराया गया और इस जनसुनवाई काहम पेंड्री गांव वासी समर्थन करते हैं।

59. श्री प्रेम लाल ने कहा कि हमारा जमीन अधिग्रहण है प्लांट के अंदर उसकी सुनवाई होनी चाहिए। वायु प्रदूषण जो होता है उससे खेत बहुत प्रभावित होता है, इस पर ध्यान दीजिए और हमारा जो गौठान है उसकी बाउंड्रीवाल की व्यवस्था की जाए।

60. श्री राजकुमार साहू, ग्राम–रावन, ने कहा कि मै दो बात कहना चाहता हूँ कि यहां शिक्षा के बिना किसी भी क्षेत्र का विकास नहीं हो सकता यहां के बच्चे डिप्लोमा आ.ई.टी.आई. पढ़ना चाहते हैं लेकिन कॉलेज यहां से बहुत दूर है और वहां जाने वाले रास्ते बहुत जर्जर है रोड का निर्माण चाहे पंचायत के माध्यम से या फिर सी. एस.आर. फंड के माध्यम से बनना चाहिए, हैंडपंप था वह भी खराब हो गया उसमें पानी नहीं आता सी.एस.आर. फंड के माध्यम से उसमें ट्यूबवेल की व्यवस्था करवा दीजिए जिससे हमारे पानी की समस्या दूर हो जाए।

61.श्री शिवकुमार वर्मा, ग्राम–झीपन, ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए प्लांट बहुत जरूरी है लेकिन आप लोग देख रहे हैं कि 30 साल हो गया प्लांट को यहां बने हुए कतना विकास हुआ है ? आपको दिख रहा है, कई बार वृक्षारोपण किया गया पर एक भी वृक्ष अभी यहां पर नहीं दिख रहे है, जो सरकारी रोड था अब वह प्लांट बाउंड्री के अंदर चला गया है। हमारे गांव जाने का जो रोड है उसकी हालत बहुत जर्जर है, उसके लिए हमने बहुत बार आवेदन किया है, बीच–बीच में उसमें गिट्टी और डस्ट को डाल दिया जाता है थोड़े दिन बाद वह सड़क फिर जर्जर हो जाती है, तो मैं निवेदन करता हूँ कि डामरीकरण करवाया जाए उस रोड का और झीपन वाले रोड का भी मरम्मत कार्य होना चाहिए और सी.एस.आर.मद से आने वाला पैसा जो बाहर जा रहा है उस पैसे का कम से कम 75 प्रतिशत पैसो से यहां के क्षेत्र का विकास होना चाहिए।

अपर कलेक्टर, जिला बलौदाबाजार–भाटापारा द्वारा कहा गया कि इस जनसुनवाई में आम जनता के द्वारा जो अपना विचार व्यक्त किया गया है, उसके संबंध में परियोजना प्रस्तावक क्या विचार रखते हैं, वो आकर अपना स्पष्टीकरण दें।

उद्योग प्रतिनिधि डॉ के.वी. रेड्डी द्वारा लोक सुनवाई के दौरान उठाये गये मुद्दो का उत्तर दिया गया। उनके द्वारा बताया गया कि मुख्य मुद्दा सड़क का था, जैसा कि अनुपम अग्रवाल जी ने बताया कि प्रस्ताव राज्य सरकार द्वारा पारित कर दिया गया है, जिसके लिए कंपनी भी प्रशासन के साथ बात कर के शीघ्र ही काम शुरू करने का प्रयास करेंगे। लोगों की समस्याओं का निराकरण के लिए ग्रामीण स्तर पर ग्रामसभा में मुख्य समस्याओं का अवलोकन किया जाए। गाँव के जनप्रतिनिधि और कंपनी के पदाधिकारी से मिलकर सी.एस.आर. के तहत कंपनी द्वारा प्राथमिकता से समस्याओं का निराकरण किया जाएगा। चूँकि यह इलाका इंडस्ट्रियल क्षेत्र है। इसके लिए ई.एस.आई.सी. हॉस्पिटल का अनुमोदन सरकार से करेंगे और सरकार के साथ मिलकर जो भी निराकरण हो सकता है उसके लिए हम प्रतिबद्ध है। स्थानीय रोजगार मुद्दे के सम्बन्ध में जवाब देते हुए कहा कि लगभग 72 प्रतिशत इम्प्लॉयी सीमेंट प्लांट में तथा 90 प्रतिशत लाइम स्टोन माइन में लगे हुए हैं। कंपनी द्वारा समय समय पर ट्रेनिंग भी उपलब्ध करवाया जाता है। कम्पनी द्वारा रोजगार में स्थानीय ग्रामीणों को योग्यता एवं आवश्यकता अनुसार प्राथमिकता दी जाएगी। कंपनी द्वारा सभी लोगों को काम पे रखना संभव नहीं है, लेकिन योग्य व्यक्तियों को योग्यतानुसार काम पर रखा जाता है, योग्य व्यक्तियों को न केवल इस प्लांट में आवश्यकता पड़ने पर अल्ट्राटेक दूसरे प्लांट में भी नौकरी का प्रावधान किया जा सकता है। बाहरी व्यक्तियों को रोजगार प्रदान करने के सम्बन्ध में कहा कि कुछ एरिया क्षेत्र में एक्सपर्ट लोगों की जरूरत पड़ती है, जिसमें बहुत ज्यादा सुरक्षा का ध्यान रखा जाता है। ऐसे में जो इस क्षेत्र में एक्सपर्ट है उन्हीं को इस काम में रखना जरूरी हो जाता है। सीमेंट प्लांट में ऊंचाई पे जाकर कार्य करना होता है। उसी प्रकार माइंस में गहराई में जाकर काम करना होता है। जो कि बहुत ज्यादा खतरनाक भी हो सकता है, लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जो इस

क्षेत्र में पारंगत हैं उन लोगों को कंपनी द्वारा रखा जाता है। स्वास्थ्य कैंप के बारे में लोगों से सहयोग की अपील की गई, अगर स्वास्थ्य कैंप लगाया जाता है तो उसमें उचित मात्रा में लोग आए और बढ़ चढ़कर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाएँ। कभी–कभी ऐसा होता है कि एक्सपर्ट डाक्टर तो आ जाते हैं लेकिन वहाँ पर लोग अपना चेक–अप कराने के लिए नहीं आते। इस वजह से हमें कभी कभी शर्मिंदा होना पड़ता है। तो गाँववालों से अनुरोध है कि हमें सहयोग करें और कैम्प लगने पर अपना स्वास्थ्य जांच अवश्य कराएँ। गांव के मुखिया से विनम्र निवेदन हैं कि अलग अलग स्वास्थ्य परेशानी वाले लोगों की सूची तैयार करें उसके अनुसार हम एक्सपर्ट को कैम्प में बुलाएँगे। हमने कुछ क्षेत्र में तालाबों का गहरीकरण करवाया है और बचे हुए गांवों के तालाबों का गहरीकरण करवाया जाएगा।

अपर कलेक्टर, जिला बलौदाबाजार–भाटापारा ने कहा कि आज इस जन सुनवाई में जो भी कार्यवाही की गई वो सभी रिकॉडिंग कर ली गई है। आप सभी ने शांतिपूर्ण तरीके से अपना विचार एवं अभिमत व्यक्त किया, इसके लिए मैं आप सभी का धन्यवाद व्यक्त करता हूॅ और आज की जन सुनवाई यहीं पर समाप्ति की घोषणा करता हूॅ। अपरान्ह 2:10 बजे लोकसुनवाई की समाप्ति की घोषणा की गई। लोकसुनवाई के पूर्व प्राप्त आवेदनों की संख्या 01 तथा लोकसुनवाई के दौरान प्राप्त आवेदनों की संख्या 87 है। संपूर्ण लोकसुनवाई की फोटोग्राफी एवं विडियोग्राफी की गई।

क्षेत्रीय अधिकारी
छ.ग.पर्यावरण संरक्षण मंडल,
रायपुर (छ.ग.)

अपर कलेक्टर,
जिला बलौदाबाजार–भाटापारा(छ.ग.)